पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

अमीषा के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 45 ■ अंक : 290 ■ बुधवार 18 फरवरी 2026 3 रुपए ■ पृष्ठ 4
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566
@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
epaper.ulhasvikas.com

ट्रांसपोर्ट में केमिकल चोरी का पर्दाफाश

- दो गिरफ्तार
- 3 आरोपियों की तलाश जारी
- सेंट्रल क्राइम ब्रांच की कार्रवाई

उल्हासनगर. इंडस्ट्रियल शहर उल्हासनगर में केमिकल सामान के ट्रांसपोर्टेशन में एक बड़ी धोखाधड़ी का पर्दाफाश हुआ है। ठाणे सिटी क्राइम ब्रांच की सेंट्रल क्राइम इन्वेस्टिगेशन सेल ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इंडस्ट्रियल केमिकल 'मोनो एथिलीन ग्लाइकॉल' की चोरी से इंडस्ट्रियल सेक्टर में हलचल मच गई है।

यह कार्रवाई 13 फरवरी को दोपहर करीब 12 बजे हिललाइन पुलिस स्टेशन की सीमा में की गई। गुजरात की KCS स्पेशलिटी कंपनी से करीब 24.970 मीट्रिक टन 'मोनो एथिलीन ग्लाइकॉल' टैंकर से चाकन में इंडस मैन्युफैक्चरिंग भेजा गया था।

हालांकि, जांच में पता चला कि टैंकर में भरे कुछ केमिकल मिलीभगत से उल्हासनगर इलाके में चोरी की गई.

जानकारी मिली है कि उसाटने के तलोजा MIDC रोड पर 'अक्षता तलोजा लॉजिंग एंड बोर्डिंग' के पास एक खुली जगह में केमिकल उतारे गए थे। पुलिस को मौके से करीब 38 लाख 99 हजार 242 रुपये का कीमती सामान और खतरनाक केमिकल का स्टॉक मिला।

इस मामले में टैंकर ड्राइवर प्रेमाराम भाटी (उम्र 37) और मोहम्मद तौफीक मोहम्मद हलीम (उम्र 19) को गिरफ्तार किया गया है। तीन आरोपी साहिल वर्मा, रामदास बो-हाड़े और सुनील गर्जे फरार हैं और उनकी तलाश जारी है।

पुलिस सब-इंस्पेक्टर सुरेश मालोदे इस मामले की आगे की जांच कर रहे हैं। पुलिस ने चेतावनी दी है कि इंडस्ट्रियल कार्गो ट्रांसपोर्टेशन में ट्रांसपेरेंसी और सेफ्टी बनाए रखने के लिए सख्त कार्रवाई की जाएगी।

विकास के नए आयाम

कल्याण लोकसभा क्षेत्र में मेट्रो–सड़क परियोजनाओं को मिलेगी गति

MMRDA के बजट में 4897 करोड़ का प्रावधान

- डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे की अध्यक्षता में बजट प्रस्तुत
- सांसद डॉ.श्रीकांत एकनाथ शिंदे के निरंतर प्रयासों को मिली सफलता

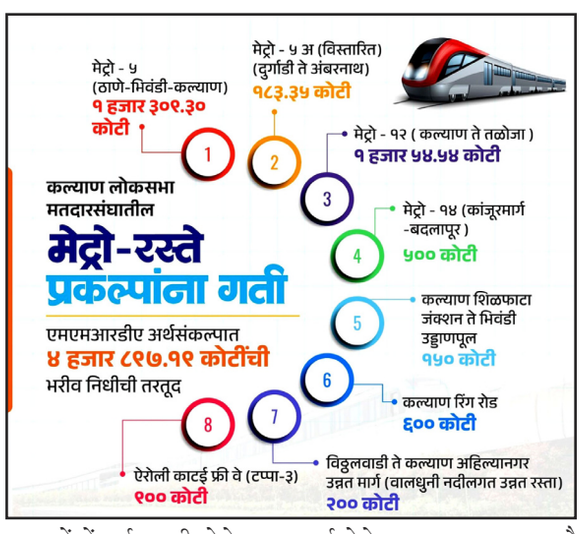

कल्याण लोस क्षेत्र में फंडिंग का प्रावधान

मेट्रो 5 (ठाणे–भिवंडी–कल्याण)	1,309 .30 करोड़
मेट्रो 5A (दुर्गाडी–उल्हासनगर एक्सटेंशन)	183 .35 करोड़
मेट्रो 12 (कल्याण–तलोजा)	1,054 .54 करोड़
मेट्रो 14 (कांजुरमार्ग–बदलापुर)	500 करोड़
कल्याण–शिल्फाटा से भिवंडी फ्लाईओवर	150 करोड़
कल्याण रिंग रोड	600 करोड़
कल्याण–मुरबाद से बदलापुर रोड	200 करोड़
नेशनल हाईवे–4 से कटाई नाका एलिवेटेड रोड	900 करोड़

कल्याण. मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन अथॉरिटी के 2026-27 के बजट में कल्याण लोकसभा क्षेत्र में ट्रांसपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर को बड़ा बढ़ावा देने का फैसला लिया गया है। डिप्टी चीफ मिनिस्टर एकनाथ शिंदे की अध्यक्षता में पेश किए गए बजट में मेट्रो लाइनों और बड़े रोड प्रोजेक्ट्स के लिए 4,897.19 करोड़ रुपये का बड़ा प्रावधान किया गया है। उम्मीद है कि इस इलाके में चल रहे मेट्रो, एलिवेटेड रोड और रिंग रोड रूट के कंस्ट्रक्शन के काम में तेजी आएगी।

मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी के हाल ही में पेश किए गए बजट में ठाणे उपनगरों में कई जरूरी प्रोजेक्ट्स शामिल किए गए हैं। इसमें कल्याण लोकसभा क्षेत्र के बड़े प्रोजेक्ट्स को शामिल किया गया है। कल्याण लोकसभा क्षेत्र, जो मुंबा से शुरू होकर सीधे अंबरनाथ तक फैला हुआ है। यह क्षेत्र, MP डॉ. श्रीकांत शिंदे का चुनाव क्षेत्र है। पिछले कुछ सालों में इस चुनाव क्षेत्र में कई जरूरी प्रोजेक्ट्स शुरू किए गए हैं। कई प्रोजेक्ट्स पर काम चल रहा है और नए दिए गए फंड से कई प्रोजेक्ट्स को रफ़्तार मिलने की उम्मीद है।

इस महत्वपूर्ण निधि स्वीकृति के लिए सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजित पवार तथा एमएमआरडीए प्राधिकरण का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के सहयोग से कल्याण लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र की महत्वाकांक्षी यातायात समस्याएं हल हो रही हैं, और नागरिकों को आधुनिक, सुरक्षित व तेज परिवहन सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है।

■ मेट्रो प्रोजेक्ट्स में रफ़्तार आएगी

मेट्रो-5, जो ठाणे से भिवंडी और कल्याण तक चलती है, जल्द ही चालू हो जाएगी। इस प्रोजेक्ट का एक फेज़ दुर्गाडी से उल्हासनगर और अब अंबरनाथ तक बढ़ाया गया है। इसमें से मेट्रो 5, ठाणे-भिवंडी-कल्याण के लिए 1,309.30 करोड़ रुपये और मेट्रो 5A के लिए 183.35 करोड़ रुपये दिए गए हैं। कल्याण से तलोजा तक मेट्रो के लिए 1,054.54 करोड़ रुपये दिए गए हैं, जो कल्याण, डोंबिवली और ग्रामीण इलाकों के लिए ज़रूरी है। मेट्रो 14 के लिए 500 करोड़ रुपये दिए गए हैं, जो कांजुरमार्ग से बदलापुर तक चलती है। इन प्रोजेक्ट्स से कल्याण, डोंबिवली, अंबरनाथ, उल्हासनगर, बदलापुर और आस-पास के तेज़ी से बढ़ते शहरी इलाकों में ट्रैफिक जाम कम करने में मदद मिलेगी और मेट्रोपोलिस से कनेक्टिविटी तेज़ और आसान होगी।

■ पलावा, शिलफाटा जाम से मुक्त होंगे

ऐरोली से कटाई तक एलिवेटेड और फ्री रोड के काम के लिए 900 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जो पिछले कई सालों से रुका हुआ है। इस सड़क का काम ज़मीन अधिग्रहण के काम के कारण रुका हुआ है। सिर्फ़ ऐरोली से मुंब्रा तक का हिस्सा ही पूरा हुआ है। बाकी हिस्से के लिए मिले फंड से अब इस सड़क को रफ़्तार मिलेगी और इससे पलावा, शिलफाटा में जाम खत्म करने में मदद मिलेगी।

अंबरनाथ के अखबार विक्रेताओं ने नगराध्यक्षा को दिया निवेदन

- अखबार विक्रेताओं पर अन्याय नहीं होगा - नगराध्यक्षा

अंबरनाथ. अंबरनाथ में वृत्तपत्र विक्रेताओं के विषय संदर्भ में अंबरनाथ, बदलापुर वृत्तपत्र विक्रेता संघ ने मंगलवार को नगराध्यक्षा तेजश्री करंजुले से उनके कार्यालय में भेंट करके निवेदन दिया. उनकी मांगों एवं समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई. गत अनेक वर्षों से शहर के वृत्त पत्र विक्रेता प्रामाणिक रूप से अखबार पढ़नेवालों तक समय पर अखबार पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं. अखबार विक्रेताओं की बातें सुनने के बाद नगराध्यक्षा ने उपस्थितों को आश्वासन दिया कि नपा प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार की अन्यायपूर्ण कार्रवाई स्टाल पर नहीं की जाएगी.

शासन के नियमानुसार और मार्गदर्शक सूचना अनुसार कायदे के साथ स्टॉल के लिए सही जगह निश्चित करके आवश्यक अनुमति देने बाबत सकारात्मक भूमिका ली जाएगी. सभी को न्याय मिले इसके लिए हम कटिबद्ध हैं. ऐसा नगराध्यक्षा ने आश्वासन दिया है. ऐसी जानकारी हमें अंबरनाथ-बदलापुर वृत्त पत्र विक्रेता संघ के अरविंद निकम, कुंदन जाधव ने दी है.

उन्होंने बताया कि नगराध्यक्षा ने कहा है कि आप लोगों के विषय को पालिका की सभा में योग्य तरीके से रखकर वृत्त पत्र विक्रेताओं को न्याय देने का प्रयास करूंगी. वृत्त पत्र विक्रेता के शिष्टमंडल में अरविंद निकम, कुंदन जाधव, आशिष गुरव, अरुण निकम, विशाल ठाकरे, मकरंद सावंत, उमेश नाईक, सचिव देवरे, टाइम्स समूह, मिडे डे, दैनिक भास्कर, हिंदुस्ता टाइम्स, पुण्य नगरी समूह के प्रतिनिधि एवं अजय नायर आदि उपस्थित थे.

उल्हास-वालधुनी सरिता संवर्धन अभियान

- नदियों को जिंदा रखने को किया गया वादा

उल्हासनगर. प्यार का इज़हार करने के दिन के तौर पर मशहूर 14 फरवरी इस साल एक अलग वजह से यादगार रहा। गुलाब के बजाय, एनवायरनमेंटलिस्ट्स ने नदियों को फिर से ज़िंदा करने का वादा करके उल्हास और वलधुनी नदियों के प्रति अपना आभार जताया। दिवंगत एनवायरनमेंट एक्टिविस्ट सरिता खानचंदानी की याद में आने वाले नदी संवर्धन कैंपेन का नाम 'उल्हास वालधुनी सरिता संवर्धन कैंपेन' रखने का ऐतिहासिक फ़ैसला लिया गया।

कल्याण तालुका के दहागांव वाहोली में नील्स फ़ार्म में 'उल्हास और वलधुनी नदी कंज़र्वेशन कमिटी' की एक ज़रूरी मीटिंग हुई। इस मीटिंग में नदियों में बढ़ते पॉल्यूशन, अनकंट्रोल्ड सीवेज, अतिक्रमण की वजह से संकरे चैनल और नदियों में नालों के नेचर पर गहराई से बातचीत हुई।

इस मौके पर नदी के तल को चौड़ा करने, सीवेज ट्रीटमेंट प्रोजेक्ट्स की ज़रूरत और एडमिनिस्ट्रेशन के साथ मिलकर कानूनी लड़ाई लड़ने पर सहमति बनी। इस कैंपेन में वालधुनी कम्युनिटी, उल्हास नदी बचाओ समिति, वाटर फाउंडेशन, द युवा यूनिटी समेत कई सोशल ऑर्गनाइज़ेशन, वकील और जर्नलिस्ट ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया।

सभी मौजूद लोगों ने नदियों के लिए लड़ाई और स्वर्गीय सरिता खानचंदानी की दी हुई सोशल अवेयरनेस की विरासत को आगे बढ़ाने का अपना पक्का इरादा जताया। यह मैसेज देते हुए कि 'नदियां बचेंगी तभी हमारा भविष्य सुरक्षित होगा' इस कैंपेन को एक बड़े जनआंदोलन का रूप देने का फैसला किया गया है।

लाइफलाइन हैं नदियां....

उल्हास और वालधुनी लाइफलाइन हैं। हालांकि, अभी उनका वजूद खतरे में है। 'उल्हास वालधुनी सरिता संवर्धन अभियान' सिर्फ एक पहल नहीं बल्कि पर्यावरण की रक्षा का एक पक्का इरादा है। स्वर्गीय सरिता खानचंदानी की याद में, नागरिकों और प्रशासन को इसमें हिस्सा लेना चाहिए ताकि इस मूवमेंट को और बड़ा बनाया जा सके और अगली पीढ़ी का भविष्य सुरक्षित किया जा सके।

– शशिकांत दयामा, एनवायरनमेंटलिस्ट

फेडरल बैंक ने CSR से दिए 16 ट्रैफिक बैरिकेड्स

उल्हासनगर. शहर में ट्रैफिक सिस्टम को और बेहतर बनाने और म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के CSR कामों को मज़बूत करने के लिए, फेडरल बैंक ने म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन को 16 लोहे के बैरिकेड्स दिए हैं। इसका उद्घाटन म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन हेडक्वार्टर में महापौर अश्विनी निकम, कमिश्नर मनीषा आव्हाले, पूर्व महापौर पंचम कालानी, कॉर्पोरेटर संघमित्रा हजारे और अन्य लोगों की मौजूदगी में हुआ। इस मौके पर फेडरल बैंक के संतोष भोके (स्टेट बिज़नेस हेड), माधुरी सजनिकर (नई मुंबई रीजनल हेड), प्रदीप कुमार (डिवीजन हेड) और निकिता करुणाकरण (ब्रांच हेड) मौजूद थे। साथ ही मनपा के एडिशनल कमिश्नर किशोर गवस, धीरज चव्हाण, डिप्टी कमिश्नर दीपाली मोटघरे, पब्लिक रिलेशन ऑफिसर अजय साबले, गणेश शिम्पी, छाया डांगले और दूसरे अधिकारी भी मौजूद थे.

अंबरनाथ में शिवसेना-भाजपा में दूरियां बढ़ीं

- जिलाधिकारी के पास प्रलंबित मामले में फिर तारीख मिली

अंबरनाथ. अंबरनाथ में शिवसेना और भाजपा की युति नहीं हुई है, जिसके कारण भाजपा अपने नगरसेवकों के साथ शहर के अनेक विकास के मुद्दों को लेकर मुख्याधिकारी एवं नगराध्यक्षा के साथ बैठक कर रहे हैं, तो शिवसेना नगरसेवक भी शहर विकास पर मुख्याधिकारी से भेंट करके चर्चा कर रहे हैं. दोनों एक-दूसरे की बैठक में नहीं जा रहे हैं. राष्ट्रवादी के चार नगरसेवकों ने पहले भाजपा को बाद में शिवसेना को समर्थन देने पर ये गट का मामला और संख्या बल का मामला ठाणे जिलाधिकारी के पास प्रलंबित है. तीन बार तारीखें मिल चुकी हैं. 16 फरवरी को सुनवाई थी. लेकिन 16 फरवरी को भी सुनवाई नहीं हो सकी है. अब अगली तारीख कब की है. ये पत्रकारों को अभी तक जानकारी नहीं दी गई है. तारीख पे तारीख चल रही है. शिवसेना और भाजपा दोनों पक्ष के संख्या बल का विषय प्रलंबित होने से स्थायी समिति एवं विषय समिति सभापति के चुनाव अभी तक नहीं हो सके हैं. जिलाधिकारी द्वारा निर्णय देने के बाद जिसके खिलाफ निर्णय दिया गया है, वह पक्ष उच्च न्यायालय का सहारा ले सकता है. ये मसला और कई महिने तक चल सकता है. अंबरनाथ नगर परिषद के हाल ही में हुए चुनाव में भाजपा की नगराध्यक्षा तेजश्री करंजुले पाटिल चुनकर आई है. कुल 59 नगरसेवक, जो कि भाजपा में चले गए हैं, 2 निर्दलीय और राकांपा के चार नगरसेवक चुनकर आए हैं. ये चार नगरसेवकों ने शिवसेना को समर्थन दिया है, लेकिन ये मामला जिलाधिकारी के पास प्रलंबित है.

डोंबिवली रविकिरण सोसायटी अग्निकांड पुलिसिया जांच में हुआ चौकाने वाला खुलासा

आग लगी नहीं,बल्कि लगाई गई थी

- 22 वर्षीय युवक गिरफ्तार

कल्याण. डोंबिवली में एक रिहायशी इमारत में लगी भीषण आग के मामले में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पुलिस जांच में सामने आया है कि यह आग हादसा नहीं बल्कि सोसायटी में रहने वाले एक युवक द्वारा जानबूझकर लगाई गई थी। घटना दो दिन पहले तड़के करीब 4:15 बजे डोंबिवली के सागाव स्थित रविकिरण सोसायटी के राज अपार्टमेंट की बेसमेंट में हुई थी। शुरुआती जांच में इसे शॉर्ट सर्किट माना जा रहा था, लेकिन मानपाडा पुलिस द्वारा इमारत के सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद मामला पूरी तरह बदल गया।

मानपाड़ा पुलिस के अनुसार, आरोपी लवेश पार्टे, जो उसी इमारत का निवासी है, तड़के अपने फ्लैट से एक वस्तु लेकर नीचे पार्किंग में आया। उसने वह वस्तु पार्किंग में रखे कचरे के डिब्बे में फेंक दी। कुछ ही सेकंड में कचरे के डिब्बे में आग लग गई और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। आग इतनी तेजी से फैली कि पार्किंग में खड़ी 29 दोपहिया वाहन जलकर खाक हो गईं। घना धुआं और लपटें देखकर इमारत में रहने वाले लोग दहशत में आ गए और कई परिवारों को घर छोड़कर बाहर भागना पड़ा। इस घटना में पांच लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों में एक महिला की हालत नाजुक बनी हुई है। उसकी दो नाबालिग संतानें भी आग की चपेट में आकर घायल हो गईं। सूचना मिलते ही अग्निशमन दल मौके पर पहुंचा और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक भारी आर्थिक नुकसान हो चुका था। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मानपाडा पुलिस ने लवेश पार्टे को हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया। उसे कल्याण अदालत में पेश किया गया, जहां अदालत ने उसे दो दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। मानपाड़ा के थाना इंचार्ज संदीपान शिंदे ने बताया कि आरोपी ने बेसमेंट में कचरा फेका था, जिसमें आग लग गई, और देखते ही देखते करीब 29 दोपहिया वाहन जलकर खाक हो गईं।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

बांग्लादेश में बदली सत्ता

बांग्लादेश में हुए चुनावों के बाद जैसे नतीजे आए हैं, उससे साफ है कि अब वहां सत्ता और सियासत का एक नया अध्याय शुरू होने जा रहा है। खासतौर पर इसलिए भी कि वहां कुल 300 में से बीएनपी यानी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी को अकेले 209 सीटें मिली हैं। इसके बरक्स जमात-ए-इस्लामी और उसके सहयोगियों को सत्तहत्तर सीटें मिली हैं। जबकि वर्ष 2024 में बांग्लादेश में हुई व्यापक उथल-पुथल के दौरान छात्र आंदोलनों से निकली एनसीपी यानी नेशनल सिटिजंस पार्टी को सिर्फ छह सीटें मिल सकीं।

शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग ने चुनाव में हिस्सा नहीं लिया था। अब संभावना यही है कि पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे और बीएनपी के अध्यक्ष तारिक रहमान के हाथों में देश की कमान होगी। गौरतलब है कि बीएनपी ने अपने चुनाव अभियान की शुरुआत 'बांग्लादेश सबसे पहले' के नारे के साथ की थी।

अब जबकि बीएनपी को देश के मतदाताओं ने भारी बहुमत से जिताया है, तो उसके बाद यह देखने की बात होगी कि नई सरकार अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक मोर्चे पर इस नारे को किस हद तक केंद्र में रख पाती है। खासतौर पर चीन ने जिस तरह बांग्लादेश में दीर्घकालिक हित के मद्देनजर लंबी अवधि के लिए भारी निवेश किया है, उसमें नई सरकार के लिए अपने देश के हित के सवालों पर 'सबसे पहले' की नीति सुनिश्चित करना संवेदनशील फैसला होगा। मगर बांग्लादेश की असली परीक्षा भारत के साथ अपने संबंधों की दिशा तय करने के संदर्भ में होगी। दरअसल, इस क्षेत्र की भौगोलिक हकीकत यह तय करती है कि बांग्लादेश के संबंध में भारत की भूमिका निर्णायक रहेगी। बांग्लादेश की करीब चौरानबे फीसद सीमा भारत के साथ लगी हुई है। यानी सुरक्षा और व्यापार के मामले में बांग्लादेश के लिए भारत की अनदेखी करना आसान नहीं होगा। बहुत कुछ इस पर निर्भर होगा कि मतभेद के कई बिंदुओं के बावजूद बांग्लादेश की नई सरकार भारत को लेकर क्या रुख अपनाती है। हाल के समय में बांग्लादेश में जिस तरह का तीव्र ध्रुवीकरण देखा गया, उसे संभालना और फिर से सहज माहौल बनाना वहां की नई सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती होगी।

विचार: एआई जगत को दिशा देने की कोशिश

नई दिल्ली में आरंभ एआई प्रभाव शिखर सम्मेलन कूटनीतिक मोर्चे पर ही एक मील का पत्थर नहीं, बल्कि सुनियोजित रणनीतिक पुनर्संरचना का प्रतीक भी है। यह शिखर सम्मेलन भारत की इस भावना को दर्शाता है कि वह इस उभरती हुई तकनीक से जुड़े विमर्श को प्रभावित कर उसे समावेशी एवं लोकतांत्रिक बनाना चाहता है।

इस आयोजन के माध्यम से भारत एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) से जुड़ी चर्चा को सुरक्षा एवं प्रतिस्पर्धात्मक लाभ की अमूर्त चिंताओं से इतर उसके प्रभाव की ओर मोड़ना चाहता है। जैसे कि कौन इससे लाभान्वित हो रहा है और कौन नहीं और कौन इस खेल के नियम निर्धारित कर रहा है?

इससे पहले एआई संबंधी आयोजन विकसित देशों में हुए और पहली बार वैश्विक दक्षिण में ऐसा शिखर सम्मेलन हो रहा है। प्रतीकात्मक रूप से भी यह बड़ा परिवर्तन है। पूर्व के आयोजनों में चर्चा का केंद्र मुख्य रूप से एआई माडल के विकास और जोखिमों पर केंद्रित रहा। इस दृष्टि से भारत की मेजबानी में यह आयोजन अलग कहानी कहने जा रहा है। भारत एआई परिचालन को एक तकनीकी मुद्दे से परे विकास संबंधी पहलू के रूप में पुनर्परिभाषित करने के प्रयास में लगा है। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मानवता के लिए एआई' वाले उस मंत्र को ही दर्शाता है कि किसी तकनीक का उद्देश्य निजी पूंजी को बढ़ाने के बजाय व्यापक सार्वजनिक हितों की पूर्ति का होना चाहिए।

भारत का एजेंडा तीन मानक स्तंभों पर आधारित है। ये तीन स्तंभ हैं पीपल यानी लोग, प्लैनेट यानी

पृथ्वी और प्रोग्रेस यानी प्रगति। इन तीन स्तंभों को व्यावहारिक दृष्टि से सात विषयगत 'चक्रों' में विभक्त किया गया है। ये सात चक्र हैं- कंप्यूटिंग और डाटा तक पहुंच का लोकतंत्रीकरण, सामाजिक प्रभाव के लिए एआई, सुरक्षित और विश्वसनीय एआई, विनिर्माण और आपूर्ति शृंखलाओं में एआई, कृषि और खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवा एवं ग्लोबल साउथ के लिए एआई।

यह दृष्टिकोण एआई को समावेशन और स्थायित्व के दायरे में एक रणनीतिक विकल्प के तौर पर रेखांकित करता है। इस क्रम में मिनी एआई पर भी जोर दिया जा रहा है। मिनी एआई से तात्पर्य ऐसे माडल से है, जो उपयोग में सुगम होने के साथ ही किफायती एवं बहुभाषी भी हों। खासतौर से कमजोर कनेक्टिविटी वाले परिदृश्य में भी प्रभावी रूप से कार्य कर सकें। ऐसी दृष्टि के साथ भारत यह जताना चाहता है कि नवाचार अनिवार्य रूप से बड़े पैमाने और अत्याधुनिक प्रणालियों तक ही सीमित नहीं रह सकता। इसके बजाय उसकी दृष्टि उपयोगिता को केंद्र में रखती है।

इसमें पूर्वानुमानित सार्वजनिक स्वास्थ्य माडल, जलवायु के प्रति अनुकूल कृषि और डिजिटलीकृत सेवाओं का वितरण महत्वपूर्ण हैं। इससे एआई केवल कारपोरेट कौशल का प्रदर्शन नहीं, बल्कि राज्य की क्षमताओं को सुदृढ़ करने का एक उपकरण बन जाती है। इस तरह यह एक ओर विकास संबंधी व्यावहारिकता बन जाती है तो दूसरी ओर भू-राजनीतिक स्थिति का पर्याय।

भारत की आकांक्षा केवल वैश्विक एआई मानकों के अनुपालक बनने तक सीमित नहीं है, वह उनमें सक्रिय सहभागी भी बनना चाहता है। करीब 30 लाख से अधिक एआई पेशेवरों और दुनिया के तीसरे सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम के दम पर नई दिल्ली का मानना है कि उसके पास इस विमर्श को दिशा देने के लिए आवश्यक जनसांख्यिकीय एवं उद्यमशील शक्ति मौजूद है। इस संदर्भ में जब सैम आल्टमैन जैसे एआई क्रांति के अग्रदूत यह कहें कि भारत में फुल स्टैक एआई लीडर बनने की भरपूर संभावनाएं हैं तो यह उसी धारणा को मजबूत करता है कि यह देश उभरती अर्थव्यवस्थाओं के एक व्यापक गठबंधन को नेतृत्व दे सकता है। विश्व बैंक और संयुक्त राष्ट्र जैसे संस्थानों का इस सम्मेलन से जुड़ाव इसकी बहुपक्षीय दिशा को भी दर्शाता है।

समग्रता में देखा जाए तो भारत एआई परिदृश्य पर स्वयं को पश्चिम के नवाचार केंद्रों और वैश्विक दक्षिण की परिचालन संबंधी आवश्यकताओं, अमेरिकी नेतृत्व वाले उद्यमशील इकोसिस्टम और सरकारी नियंत्रण वाले चीन के व्यापकता से परिपूर्ण तंत्र के बीच एक सेतु के रूप में स्थापित करने में लगा है। एआई संचालन से जुड़ी एक राह भारत की व्यापक विदेश नीति के रुझान को भी दर्शाती है।

जब हम ध्यानाभ्यास करते हैं, तो हम अधिक व्यावहारिक निर्णय लेने के काबिल बन जाते हैं क्योंकि हम जीवन को एक उच्चतर दृष्टिकोण से देखने लगते हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

जजों के खिलाफ 10 साल में 8,600 से अधिक शिकायतें

न्यायपालिका लोकतंत्र का अत्यंत महत्त्वपूर्ण स्तंभ होता है, जो कानून के शासन को बनाए रखने और संविधान की मौलिकता के संरक्षण में अहम भूमिका निभाता है। भारत में न्यायपालिका को न्याय का मंदिर कहा जाता है, जहां विवादों का निस्तारण कर नागरिक अधिकारों की रक्षा की जाती है। किसी भी तरह की परेशानी या जटिल परिस्थिति में नागरिकों के लिए न्यायपालिका अंतिम आस होती है। ऐसे में अगर न्यायिक अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर ही सवाल उठने लगे, तो उस भरोसे का क्या होगा, जो न्याय की उम्मीद पर टिका होता है।

यह चिंता सरकार के उन आंकड़ों से उपजी है, जिनमें कहा गया है कि देश के प्रधान न्यायाधीश के कार्यालय को वर्ष 2016 से अब तक मौजूदा न्यायाधीशों के खिलाफ 8,600 से अधिक शिकायतें मिली हैं। सरकार की ओर से शुक्रवार को लोकसभा में यह जानकारी दी गई, जिसके मुताबिक वर्ष 2024 में सबसे अधिक शिकायतें दर्ज की गईं। यानी समय के साथ शिकायतों का यह सिलसिला बढ़ रहा है।

दरअसल, लोकतंत्र में न्यायपालिका से उम्मीद की जाती है कि वह निष्पक्षता, पारदर्शिता, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के साथ काम करेगी। नागरिक अधिकारों की रक्षा करना न्यायपालिका की सर्वोच्च

प्राथमिकता होती है, इसलिए वह जनता के लिए साहस और आत्मविश्वास का स्रोत भी होती है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में शक्ति संतुलन बनाए रखने में भी इसकी भूमिका अहम है।

आम आदमी की न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए न्यायिक प्रणाली की शुचिता को बनाए रखना बेहद जरूरी है और यह तभी संभव हो पाता है, जब न्यायिक अधिकारियों का आचरण पूरी तरह पाक-साफ हो। इसमें दोराय नहीं कि विधायिका और कार्यपालिका की तुलना में आम नागरिक न्यायपालिका पर अधिक निर्भर रहते हैं, क्योंकि उन्हें न्याय प्रणाली पर पूरा भरोसा होता है। न्यायिक प्रक्रिया भी तभी निष्पक्ष और निर्भीक हो सकती है, जब वह किसी भी तरह के अनुचित हस्तक्षेप से पूरी तरह मुक्त हो।

नियमानुसार उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों के खिलाफ शिकायतों का निपटारा न्यायपालिका द्वारा 'आंतरिक तंत्र' के माध्यम से किया जाता है। वर्ष 1997 में सुप्रीम कोर्ट की ओर से दो प्रस्ताव पारित किए गए थे, जिनके तहत शीर्ष अदालत और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के अनुपालन के लिए कुछ मानक और सिद्धांत निर्धारित किए गए थे। इनका पालन न होने पर आंतरिक प्रक्रिया के तहत संबंधित न्यायिक अधिकारियों पर कार्रवाई की जाती है। मगर, न्यायाधीशों के खिलाफ शिकायतें बढ़ने का क्रम यह दर्शाता है कि आंतरिक जांच प्रक्रिया या तो धीमी है या फिर उसमें कोई बाधा उत्पन्न हो रही है। न्यायपालिका में भी भ्रष्टाचार के मामले यदाकदा सामने आते रहते हैं, लेकिन उनकी जांच प्रक्रिया में पारदर्शिता और समय सीमा का अभाव नजर आता है।

पिछले वर्ष मार्च में सामने आए एक न्यायाधीश के दिल्ली स्थित आवास पर जले हुए नोटों की गड्डी मिलने के मामले में अब तक कोई खास प्रगति न होने पर भी सवाल उठ रहे हैं। माना जा रहा है कि अगर यह मामला किसी प्रशासनिक अधिकारी या आम नागरिक से जुड़ा होता, तो जांच प्रक्रिया अब तक काफी आगे पहुंच गई होती। इस स्थिति के पीछे उच्च न्यायपालिका के न्यायाधीशों के मामलों में जांच और कार्रवाई की प्रक्रिया का जटिल ढांचा भी एक बड़ा कारण है, जिसे सरल एवं स्पष्ट बनाए जाने की जरूरत है, ताकि न्यायिक प्रक्रिया में नागरिकों का भरोसा कायम रहे।

दामाद चढ़ गया टॉवर पर, बुलानी पड़ी पुलिस !

जरा हट के

सोशल मीडिया पर आए दिन अटपटे और हैरान कर देने वाले वीडियो तेजी से वायरल होते हैं. ऐसा ही एक वीडियो सोनभद्र से सामने आया है. उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में पत्नी की विदाई ना होने पर युवक नाराज हो गया और बिजली टावर पर चढ़ गया. युवक पत्नी की विदाई करने के लिए ससुराल पहुंचा हुआ था, जहां पर विवाद होने के बाद ससुराल वालों ने पत्नी की विदाई करने से इनकार कर दिया.

पत्नी की विदाई ना होने से नाराज पति बिजली के टावर पर चढ़ गया और हंगामा करने लगा. युवक के टावर पर चढ़ने के बाद तत्काल ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी. मौके पर पहुंची पुलिस ने समझा-बुझाकर युवक को नीचे उतारा. टावर पर चढ़े हुए युवक को देखने के लिए आस-पास से गांव से काफी संख्या में ग्रामीण पहुंच गए. युवक के टॉवर से

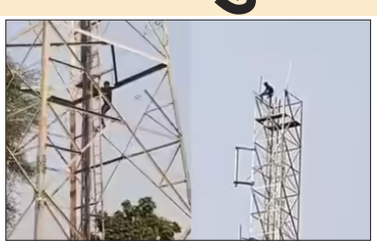

उतरने के बाद पुलिस ने राहत की सांस ली.

विदाई नहीं होने पर गुस्साया युवक

सोनभद्र जिले के छपका गांव में युवक अपनी पत्नी की विदाई कराने के लिए ससुराल गया हुआ था. हालांकि, ससुराल पक्ष के द्वारा विदाई करने से इनकार कर दिया गया. काफी देर तक पति विदाई करने के लिए मिन्नतें की, लेकिन विदाई से मना करने पर युवक आपा खो बैठा. नाराज युवक हताश होकर बिजली के टावर पर चढ़ गया और हंगामा करना शुरू कर दिया.

बिजली के टावर पर ऊंचाई पर चढ़े हुए युवक को देखकर आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर पहुंच गई, जहां इसकी सूचना ग्रामीणों के द्वारा पुलिस को दी गई. मौके पर पहुंची पुलिस ने समझा-बुझाकर उतारने का प्रयास किया, लेकिन युवक करने को तैयार नहीं हुआ. मौके पर पहुंचे सीओ सिटी रणधीर मिश्रा ने युवक को समझाया, तो युवक टावर से नीचे उतरा. युवक के टावर से उतरने के बाद पुलिस ने राहत की सांस ली.

खस्ता वेज पैटीज

आता-खजाता

सामग्री

- आलू: 4-5 मध्यम आकार के
- मटर: आधा कप
- प्याज: 1 मध्यम
- हरी मिर्च: 2
- अदरक-लहसुन पेस्ट: 1 छोटा चम्मच
- हल्दी: आधा छोटा चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर: आधा छोटा चम्मच
- धनिया पाउडर: 1 छोटा चम्मच
- गरम मसाला: आधा छोटा चम्मच
- अमचूर पाउडर: 1 छोटा चम्मच
- नमक: स्वादानुसार
- हरा धनिया: बारीक कटा हुआ
- तेल: 2 बड़े चम्मच
- पफ पेस्ट्री शीट्स: 1 पैकेट
- दूध: 2 बड़े चम्मच

बनाने की विधि

एक कड़ाही में तेल गरम करें। इसमें जीरा डालें, फिर बारीक कटा प्याज और हरी मिर्च डालकर सुनहरा होने तक भूनें। अब अदरक-लहसुन का पेस्ट डालें और 1 मिनट पकाएं। इसमें मटर और सारे सूखे मसाले (हल्दी, मिर्च, धनिया, गरम मसाला, अमचूर, नमक) डालें। अब उबले हुए आलू

डालकर अच्छी तरह मिलाएं। इसे 2-3 मिनट तक भूनें ताकि मसालों का कच्चापन निकल जाए। अंत में हरा धनिया डालें और गैस बंद कर दें। स्टफिंग को पूरी तरह ठंडा होने दें। गरम स्टफिंग शीट को खराब कर देगी। अपने ओवन को 200C पर 10-15 मिनट के लिए प्रीहीट करें। पफ पेस्ट्री को फूलने के लिए हाई हीट की जरूरत होती है। इसके बाद, पफ पेस्ट्री शीट को एक समतल जगह पर फैलाएं। इसे चौकोर टुकड़ों में काट लें। हर टुकड़े के बीच में एक बड़ा चम्मच ठंडी की हुई स्टफिंग रखें। शीट के किनारों पर हल्का-सा पानी लगाएं। अब एक कोने को दूसरे कोने से मिलाकर तिकौना या आयताकार आकार दें। किनारों को उंगलियों से हल्का दबाएं। एक ब्रश की मदद से तैयार पैटीज के ऊपर हल्का-हल्का दूध लगाएं। इसी से वो सुंदर सुनहरा रंग आता है जो हम बेकरी में देखते हैं। बेकिंग ट्रे पर बटर पेपर लगाएं और पैटीज को थोड़ी दूरी पर रखें। ओवन में 200C पर 15 से 20 मिनट तक बेक करें। जब पैटीज फूल जाएं और ऊपर से सुनहरी भूरी हो जाएं, तो उन्हें निकाल लें।

सिर्फ मूड का दुश्मन नहीं है 'स्ट्रेस'

जानिए कैसे नर्वस सिस्टम के जरिए दिल तक पहुंचती है आफत

अक्सर हम स्ट्रेस को यह सोचकर नजरअंदाज कर देते हैं कि यह बस 'मूड खराब' होने की बात है, लेकिन विज्ञान एक अलग ही कहानी बताता है। जी हां, मानसिक तनाव आपके शरीर के अंदर एक ऐसी खतरनाक चेन रिएक्शन शुरू करता है, जो सीधे आपके दिल पर हमला करता है। एक स्टडी के हवाले से अपोलो हॉस्पिटल के सीनियर न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. सुधीर कुमार का कहना है कि यह आपके दिमाग के एक हिस्से को 'ट्रिगर' करता है और वहां से शुरू होता है आपके नर्वस सिस्टम और दिल के बीच एक खतरनाक संवाद, जो आखिर दिल की गंभीर बीमारियों की वजह बन सकता है।

■ दिमाग में कैसे शुरू होता है तनाव?

जब हम तनाव में होते हैं, तो सबसे पहले हमारे दिमाग का प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स हिस्सा उत्तेजित होता है। यह हिस्सा सक्रिय होकर हमारे लिम्बिक सिस्टम को सिग्नल भेजता है। इसके बाद, लिम्बिक सिस्टम हमारे ऑटोनॉमिक नर्वस सिस्टम को एक्टिव कर देता है। यह सिस्टम हमारे शरीर के अनैच्छिक कार्यों (जैसे सांस लेना और दिल की धड़कन) को नियंत्रित करता है।

■ शरीर पर क्या होता है इसका असर?

एक बार जब ऑटोनॉमिक नर्वस सिस्टम सक्रिय हो जाता है, तो यह हमारे शरीर के कई प्रमुख

हिस्सों को उत्तेजित करना शुरू कर देता है। इनमें हमारा दिल, रक्त वाहिकाएं, एंडोक्राइन सिस्टम और हमारा इम्यून सिस्टम शामिल हैं। इन सभी के बीच एक दोतरफा संचार शुरू हो जाता है, जो शरीर में कई बदलाव लाता है।

■ दिल और नसों को कैसे पहुंचता है नुकसान?

यह पूरी प्रक्रिया शरीर में कई नकारात्मक बदलाव लाती है, जो हार्ट हेल्थ के लिए खतरनाक हैं:

- **धड़कन और ब्लड प्रेशर बढ़ना:** तनाव की वजह से दिल की धड़कन और ब्लड प्रेशर दोनों बढ़ जाते हैं।
- **नसों का सिकुड़ना:** यह प्रक्रिया वैसोकॉन्स्ट्रिक्शन को बढ़ावा देती है, जिसका अर्थ है रक्त वाहिकाओं या नसों का सिकुड़ना।
- **सूजन और मेटाबॉलिज्म में गड़बड़ी:** तनाव शरीर में अंदरूनी सूजन और इम्यून सिस्टम की अति-सक्रियता पैदा करता है। साथ ही, यह मेटाबॉलिज्म से जुड़ी कई गड़बड़ियों को जन्म देता है।
- **खून का गाढ़ा होना:** यह प्लेटलेट्स के आपस में चिपकने की प्रक्रिया को बढ़ा देता है, जिससे खून के थक्के जमने का खतरा बढ़ सकता है।

ये सभी बदलाव- बढ़ा हुआ ब्लड प्रेशर, नसों का सिकुड़ना, सूजन और मेटाबॉलिक समस्याएं- मिलकर आखिर में हार्ट डिजीज के विकास का कारण बनते हैं। इसलिए, मानसिक तनाव को केवल एक विचार नहीं, बल्कि दिल की सेहत के लिए एक वास्तविक चेतावनी समझना चाहिए।

आज का राशिफल

मेष : धनार्जन होगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। परिवार से संबंध घनिष्ठ होंगे। नए संबंधों के प्रति सतर्क रहें। भूल करने से विरोधी बढ़ेंगे। रुके धन की प्राप्ति में अड़चनें आएंगी। कम प्रयास से काम बनेंगे।

वृषभ : मेहमानों का आगमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मसम्मान बढ़ेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। व्यापार में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। अपने काम से काम रखें। दूसरों के विश्वास में न आएं। परिवार में तनावपूर्ण माहौल रह सकता है।

मिथुन : लेन-देन में सावधानी रखें। रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अचानक लाभ होगा। धन संबंधी कार्यों में विलंब से चिंता हो सकती है। लाभदायक समाचार मिलेंगे। कार्य के विस्तार की योजना बनेगी। संत-समागम होगा।

कर्क : चोट व रोग से हानि संभव है। कुसंगति से हानि होगी। विवाद न करें। फालतू खर्च बढ़ेंगे। आवास संबंधी समस्या का समाधान संभव है। आवेश में कोई कार्य नहीं करें। सामाजिक एवं राजकीय ख्याति में अभिवृद्धि होगी। व्यापार अच्छा रहेगा।

सिंह : शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में सावधानी रखें। सुख के साधन जुटेंगे। रुका हुआ धन मिलेगा। अधूरे काम समय पर सफलता से होने पर उत्साह बढ़ेगा। वाहन चलाते समय सावधानी रखें। व्यापार के कार्य से बाहर जाना पड़ सकता है।

कन्या : दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। आय बढ़ेगी। भोग-विलास में रुचि बढ़ेगी। जीवनसाथी से संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी। स्थायी संपत्ति के मामले उलझेंगे। कार्य में मित्रों की मदद मिलेगी। आर्थिक मनोबल बढ़ेगा।

तुला : कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। थकान रहेगी। परिवार एवं समाज में आपके कामों को महत्व एवं सम्मान प्राप्त हो सकेगा। वाणी पर संयम आवश्यक है। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा।

वृश्चिक : चोरी, चोट व विवाद आदि से हानि संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। धनार्जन होगा। भागदौड़, बाधाओं व सतर्कता के बाद सफलता मिलेगी। पारिवारिक सुख, संतोष बढ़ेगा। उपहार मिलने के योग हैं। अधिक व्यय न करें। खर्चों में कमी करें।

धनु : पुराना रोग उभर सकता है। बेचैनी रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। कानूनी बाधा दूर होगी। रुका धन मिलने से धन संग्रह होगा। कार्य में भागीदार सहयोग करेंगे। विकास की योजनाएं बनेंगी। दांपत्य जीवन में गलतफहमी आ सकती है।

मकर : घर-परिवार की चिंता रहेगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बेरोजगारी दूर होगी। आपका सामाजिक क्षेत्र बढ़ेगा। लाभदायक सौदे होंगे। विपरीत परिस्थितियों का सफलता से सामना कर सकेंगे। जीवनसाथी से आर्थिक मतभेद हो सकते हैं।

कुंभ : शत्रु परास्त होंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। किसी नए कार्य में भाग लेने के योग हैं। विद्वानों के साथ रहने का अवसर मिलेगा। व्यापार में भागीदार सहयोग करेंगे।

मीन : घर-परिवार की चिंता रहेगी। विवाद को बढ़ावा न दें। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। जोखिम न लें। अचानक यात्रा के भी अच्छे फल मिलेंगे। आमदनी में वृद्धि होगी। प्रसिद्धि एवं सम्मान में इजाफा होगा। नौकरी में उन्नति के योग हैं।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

हार्ट को हेल्दी रखने के लिए 10 हजार स्टेप्स चलना है काफी?

फिट रहने के लिए आजकल हर कोई इस कोशिश में रहता है कि उसके दिन के 10 हजार स्टेप्स पूरे हो जाएं। स्मार्टवॉच और फिटनेस ऐप्स भी इतने स्टेप्स पूरे होते ही बधाई देने लगते हैं। ऐसे में बहुत से लोगों को लगता है कि 10 हजार स्टेप्स के साथ ही, उन्होंने अपने दिल को भी सुरक्षित कर लिया है।

हालांकि, डॉक्टर्स का मानना इससे अलग है। इस बारे में डॉ. आशीष कुमार (सीनियर कंसल्टेंट, कार्डियोलॉजी, अमृता हॉस्पिटल, फरीदाबाद) बताते हैं कि दिल की सेहत के लिए स्टेप काउंट के साथ-साथ यह भी जरूरी है कि आप कैसे वॉक कर रहे हैं। मॉल में टहलते हुए, ऑफिस के कॉरिडोर में घूमते हुए या फोन पर बात करते हुए भी 10 हजार स्टेप्स पूरे कर सकते हैं, लेकिन इससे दिल को जरूरी ट्रेनिंग नहीं मिलती।

सही तरीके से वॉक करना है जरूरी

डॉक्टर बताते हैं कि दिल की सेहत में तभी सुधार होता है, जब आप सही तरीके से वॉक करें। वॉक ऐसी होनी चाहिए, जिसमें आपकी

सांसें और हार्ट बीट तेज हो, शरीर गर्म महसूस हो और हल्की-सी सांस फूले, लेकिन आप बातचीत कर पाएं।

इसी वजह से 30 मिनट की तेज चाल से की गई वॉक, पूरे दिन की आरामदेह टहल से कहीं ज्यादा फायदेमंद होती है। इससे ब्लड वेसल्स की फ्लेक्सिबिलिटी बढ़ती है, ब्लड प्रेशर कंट्रोल होता है, इंसुलिन सेंसिटिविटी सुधरती है और कोलेस्ट्रॉल भी कम होता है। डॉक्टर के अनुसार, रोजाना 7 से 8 हजार स्टेप्स भी अगर सही तरीके से चले जाएं, तो दिल की सेहत में काफी सुधार हो सकता है।

10 हजार स्टेप्स भी नहीं हैं काफी?

हालांकि, मॉडर्न लाइफस्टाइल में 10 हजार स्टेप्स भी कई बार कम पड़ जाते हैं। लंबे समय तक बैठकर काम करना, डायबिटीज, पेट के आसपास जमा चर्बी, हाई ट्राइग्लिसराइड्स या दिल की बीमारी का पारिवारिक इतिहास, इन स्थितियों में सिर्फ चलना काफी नहीं होता। ऐसे मामलों में शरीर को कंडीशनिंग की जरूरत होती है, न कि सिर्फ हल्की-फुल्की एक्टिविटी।

दिल को दुरुस्त रखने के लिए जरूरी है कि आप हफ्ते में कम से कम 150 मिनट की लगातार मीडियम इंटेसिटी की एक्सरसाइज करें। इसमें तेज चलना, साइक्लिंग या सीढ़ियां चढ़ना शामिल हो सकता है। साथ ही, हल्की स्ट्रेंथ एक्सरसाइज भी फायदेमंद मानी जाती है।

रोजाना 10 हजार स्टेप्स पूरे करना अच्छी बात है। इससे पता चलता है कि आप दिनभर एक्टिव रहे हैं, लेकिन यह दिल की सुरक्षा को कोई गारंटी नहीं देता।

बिना तेल सोखे फूली-फूली और खस्ता बनेंगी पूड़ियां

अच्छी पूड़ी बनाने के लिए आपको बस बनाने के तरीके में थोड़ा-सा बदलाव करना होगा। अगर आप 3 आसान बातों का ध्यान रखेंगे, तो आपकी हर पूड़ी गुब्बारे की तरह फूलेगी और तेल नहीं सोखेगी।

1. आटा गूंथते समय करें ये छोटा-सा बदलाव

सबसे पहली गलती हम आटा गूंथते समय करते हैं। पूड़ी का आटा रोटी के आटे जैसा नरम नहीं होना चाहिए। पूड़ी के लिए आटा हमेशा टाइट गूंथना चाहिए। अगर आटा नरम होगा, तो वह कड़ाही में जाते ही ज्यादा तेल सोख लेगा।

प्रो टिप: खस्तापन लाने के लिए आटे में 2 चम्मच सूजी जरूर मिलाएं। सूजी पूड़ी को कुरकुरा रखती है और उसे जल्दी पिचकने नहीं देती। साथ ही, आटा गूंथने के बाद उसे 10-15 मिनट के लिए ढककर 'रेस्ट' करने दें, ताकि सूजी फूल जाए।

2. बेलते समय सूखे आटे का इस्तेमाल न करें

अक्सर हम पूड़ी बेलते समय पलोथन का इस्तेमाल करते हैं ताकि वह चिपके नहीं। यह सबसे बड़ी गलती है। सूखा आटा तेल में जाकर जल जाता है और तेल को गंदा कर

देता है, साथ ही यह पूड़ी को भी काला कर देता है।

प्रो टिप: पूड़ी बेलते समय चकले और बेलन पर जरा-सा तेल लगाएं। इससे पूड़ी चिपकेगी नहीं और तलते समय तेल भी साफ रहेगा। ध्यान रहे कि पूड़ी को न तो बहुत ज्यादा पतला बेलें और न ही बहुत मोटा, इसे एक बराबर रखें।

3. तेल का तापमान है असली खेल

पूड़ी न फूलने या ऑयली होने का सबसे बड़ा कारण होता है- ठंडा तेल। अगर तेल पूरी तरह गर्म नहीं है, तो पूड़ी तेल पी लेगी और फूलेगी नहीं।

प्रो टिप: पूड़ी तलने के लिए तेल तेज गर्म होना चाहिए। चेक करने के लिए आटे का एक छोटा टुकड़ा तेल में डालें; अगर वह तुरंत ऊपर आ जाए, तो समझें तेल तैयार है। पूड़ी डालते ही उसे कलछी से हल्का-सा दबाएं, इससे वह तुरंत फूलकर फुटबॉल जैसी हो जाएगी।

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

यूपी पुलिस की टीम का एक्सीडेंट, सब इंस्पेक्टर की मौत; महिला दरोगा समेत 3 की हालत गंभीर

महाराजगंज. उत्तर प्रदेश के महराजगंज में दबिश देकर गोरखपुर लौट रही यूपी पुलिस की एक टीम का दर्दनाक एक्सीडेंट हो गया। इसमें एक सब इंस्पेक्टर की मौत हो गई जबकि एक महिला दरोगा, दरोगा और ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हो गए। एक्सीडेंट, महराजगंज जिले में कतरारी पुलिस चौकी के पास मंगलवार की सुबह-सुबह हुआ। घायल पुलिसवालों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

दामाद ने ससुर की हॉकी से पीट-पीटकर की हत्या, रास्ते में रोककर किए ताबड़तोड़ वार

हरदोई. यूपी के हरदोई से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। जहां दामाद ने मंदिर से लौट रहे ससुर की हॉकी से पीट-पीटकर बेरहमी से हत्या कर दी। ये मामला हनुमत धाम रामताल थाना क्षेत्र का है। जहां शाहजहांपुर के अल्हागंज के मोहल्ला विकास नगर निवासी 52 वर्षीय अशोक कुमार उर्फ पिन्ने मंगलवार सुबह करीब आठ बजे अपनी बहन अलका देवी के साथ बाइक से हनुमत धाम रामताल में प्रसाद चढ़ाकर वापस लौट रहे थे। हथौड़ा गांव के पास पहुंचते ही उनके दामाद मनमोहन ने उन्हें रोक लिया और हॉकी से सिर पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। गंभीर रूप से घायल अशोक कुमार सड़क पर गिर पड़े। परिजन व ग्रामीण उन्हें तत्काल लोहिया अस्पताल फर्रुखाबाद ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

वाराणसी में बड़ा हादसा टला, टक्कर के बाद गंगा में समाई नाव, पर्यटकों को बचाया गया

वाराणसी. धर्मनगरी वाराणसी के घाटों पर सोमवार को उस समय चीख-पुकार मच गई, जब एक भीषण नाव हादसा होते-होते बचा। गंगा की लहरों के बीच एक छोटी नाव और तेज रफ्तार मोटरबोट के बीच हुई जोरदार भिड़ंत ने वहां मौजूद लोगों की सांसें थाम दीं। टक्कर इतनी भयानक थी कि नाव देखते ही देखते गंगा में समा गई और उस पर सवार पर्यटक गहरे पानी में डूबने लगे। गनीमत यह रही कि समय रहते स्थानीय नाविकों और बचाव दल ने मुस्तैदी दिखाई. जानकारी के अनुसार, हैदराबाद और पुणे से आए पांच पर्यटकों का एक समूह गंगा पार रामनगर जाने के लिए तुलसीघाट से एक छोटी नाव पर सवार हुआ था।

मुर्गा खिलाने के बहाने रेप, आर्केस्ट्रा मालिक ने 2 लोगों को सौंपा; 15 दिन पहले आई थी बिहार

उत्तर प्रदेश की लड़की से बिहार में रेप की वारदात के बाद अब इस मामले में कई बड़े खुलासे हो रहे हैं। भोजपुर के करनामेपुर थाना क्षेत्र में आर्केस्ट्रा पार्टी संचालक की शह पर उसके एक कर्मी की ओर से यूपी निवासी नाबालिग महिला डांसर से दुष्कर्म किया गया है। दूसरे कर्मी ने भी दुष्कर्म की चेष्टा की।

डांसर के करीबी का आरोप है कि आर्केस्ट्रा संचालक की ओर से मुर्गा खिलाने के बहाने जबरन शराब पिलाई गई। इसके बाद आर्केस्ट्रा पार्टी के दो अन्य कर्मियों की ओर से जबरन बाइक से एक झाड़ी में ले जाने के बाद एक की ओर से दुष्कर्म किया गया, जबकि दूसरे ने भी चेष्टा की।

AAIB प्लेन क्रैश की जांच में जुटी

- DGCA बोला- डिजिटल फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर का डेटा मिला
- भतीजे रोहित ने साजिश की आशंका जताई

मुंबई. महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम रहे अजित पवार के प्लेन क्रैश की जांच विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (AAIB) को सौंपी गई है। मंगलवार को नागरिक उड्डयन मंत्रालय (DGCA) ने इसकी जानकारी दी।

मंत्रालय ने कहा- 28 जनवरी को महाराष्ट्र के बारामती में Learjet-45 (VT-SSK) विमान क्रैश की जांच AAIB कर रहा है। जो दुर्घटना और घटना जांच नियम, 2017 और ICAO Annex-13 के इंटरनेशनल स्टैंडर्ड के तहत की जा रही है।

DGCA ने बताया प्लेन में दो फ्लाइट रिकॉर्डर लगे थे, जो हादसे के दौरान लंबे समय तक आग और अत्यधिक गर्मी के संपर्क में रहे। डिजिटल फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर (DFDR) से सफलतापूर्वक डेटा डाउनलोड कर लिया गया है।

2 फरवरी को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के विधायक और अजित पवार के भतीजे रोहित पवार ने आरोप लगाया था कि उनके चाचा की मौत में साजिश हुई है। मामले की एक्सपर्ट एजेंसियां जांच करें।

DGCA बोला- CVR की तकनीकी जांच जारी

मंत्रालय ने कहा कि कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर (CVR) की तकनीकी जांच अभी जारी है। डेटा निकालने में मदद के लिए उस देश के विशेषज्ञों की भी सहायता ली जा रही है, जहां यह उपकरण बनाया गया था। वहीं, AAIB ने कहा कि जांच पूरी तरह तकनीकी और प्रक्रियागत नियमों के अनुसार की जा रही है, ताकि निष्पक्ष और सबूत आधारित निष्कर्ष निकाला जा सके। ब्यूरो ने अपील की है कि जांच पूरी होने तक सभी लोग अटकलों से बचे रहें। जांच की डिटेल जल्द ही शेयर की जाएगी।

हादसे के दूसरे दिन मिला था ब्लैक बॉक्स

- 28 जनवरी की सुबह VSR वेंचर्स कंपनी का लेयरजेट 45 प्लेन बारामती में क्रैश हुआ था। इसका ब्लैक बॉक्स अगले दिन बरामद किया गया था। इसी में ब्लैक बॉक्स में फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर भी है।
- अजित पवार का प्लेन बारामती एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान क्रैश हो गया। हादसे में डिप्टी CM, उनके पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर, एक अटेंडेंट, पायलट-इन-कमांड सुमित कपूर और फर्स्ट ऑफिसर शम्भावी पाठक, कुल 5 लोगों की मौत हो गई।

AI का दुरुपयोग हो सकता है खतरनाक

- अश्विनी वैष्णव ने मनोरंजन और मीडिया इंडस्ट्री को लेकर जताई चिंता

नई दिल्ली. राजधानी दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित किए गए एआई इंपैक्ट शिखर सम्मेलन 2026 इस बात पर मंथन किया जा रहा है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल जनता के लिए कैसे किया जा सकता है और इसकी क्या चुनौतियां हैं। इस पांच दिवसीय कार्यक्रम के दूसरे दिन प्रधानमंत्री ने कहा कि एआई इंपैक्ट समिट का उद्देश्य यह पता लगाना है कि यह कैसे सबके लिए उपयोगी साबित हो सकता है। वहीं यूनियन इलेक्ट्रॉनिक्स ऐंड आई मिनिस्टर अश्विनी वैष्णव ने कहा कि 30 देशों के मंत्रियों के साथ इसी बात पर चर्चा हो रही है कि मीडिया में कैसे एआई के दुरुपयोग से बचा जा सकता है। उन्होने कहा कि डीपफेक और सिंथेटिक कॉन्टेंट लोकतंत्रा, रचनात्मक उद्योग और विश्वसनीयता के लिए बड़ा खतरा है।

एआई के अनियंत्रित होने का खतरा

एआई इंपैक्ट समिट में वैष्णव ने कहा, बिना सुरक्षा के अगर धड़ाधड़ इनोवेशन भी होता चला गया तो यह अनियंत्रित हो जाएगा। ऐसे में सरकारों को एआई से बनाए गए कॉन्टेंट के लिए भी नियम और प्रमाणीकरण की प्रक्रिया निर्धारित करनी चाहिए।

डॉक्टरों ने 'अंसार अंतरिम' संगठन बनाया था

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने हाल ही में 'वाइट कॉलर' आतंकी मॉड्यूल का खुलासा किया है। पुलिस ने बताया कि कई डॉक्टरों ने आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए 'अंसार अंतरिम' नाम का आतंकी संगठन बनाया था। पुलिस ने इस मामले में कई डॉक्टरों को गिरफ्तार किया है।

अधिकारियों ने रविवार को बताया कि इन आरोपियों ने 2016 में कट्टरपंथी विचारधारा को अपनाया था। मामले में नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (NIA) जांच कर रही है। दिल्ली में 10 नवंबर 2025 को लाल किले के लिए एक कार में ब्लास्ट हुआ था, जिसमें 15 लोगों की जान गई थी। कार में धमाका करने वाला डॉ. उमर नबी था।

अजित पवार के बेटे पार्थ को जमीन सौदे में क्लीन चिट

- 1800 करोड़ का है मामला
- दो अफसरों पर गिरेगी गाज

मुंबई. महाराष्ट्र के पूर्व डिप्टी सीएम अजित पवार के बेटे पार्थ पवार को 1800 करोड़ रुपये के जमीन सौदे के मामले में क्लीन चिट मिल गई है। अजित पवार का बीते महीने ही प्लेन क्रैश में निधन हो गया था। इसके बाद राज्य में हुए नगर परिषद और पंचायत समिति के चुनावों में एनसीपी को बड़ी जीत मिली है। इस बीच अजित पवार के बेटे के लिए भी राहत भरी खबर आई है। इस मामले की जांच के लिए आईएएस अधिकारी विकास शंकर खरागे के नेतृत्व में जांच समिति गठित हुई थी। इस पैनल ने 1000 पन्नों की अपनी जांच रिपोर्ट सौंपी है। इसमें पार्थ पवार को क्लीन चिट दी गई है, जबकि जमीन सौदे की प्रक्रिया में लापरवाही के लिए दो सरकारी अधिकारियों के खिलाफ ऐक्शन की सिफारिश की गई है।

1800 करोड़ मूल्य, 300 करोड़ में डील

इस मामले में विवाद यह था कि जमीन का मूल्य 1800 करोड़ रुपये बताया गया था, जबकि इसकी खरीद सिर्फ 300 करोड़ में हुई। यह डील Amedia Enterprises LLP के नाम से हुई थी। इस फर्म में मुख्य हिस्सेदारी पार्थ पवार की ही है, जबकि उनके साथ चचेरे भाई दिग्विजय भी इसमें हिस्सेदार हैं। यही नहीं आरोप यह भी लगे थे कि इस डील में स्टांप ड्यूटी भी नहीं वसूली गई, जो 21 करोड़ रुपये बनती थी।

इस मामले में आरोप था कि पुणे के एक पॉश इलाके में करीब 1800 करोड़ रुपये मूल्य की जमीन महज 300 करोड़ रुपये में खरीदी गई। इस जमीन सौदे में अजित पवार के बेटे का नाम भी आया था। इस केस की जांच करने वाले अधिकारी विकास शंकर खरागे फिलहाल राजस्व विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव हैं। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने इस केस की जांच रिपोर्ट विभाग के मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले को सौंप दी। अब इस रिपोर्ट को सीएम देवेंद्र फडणवीस के समक्ष रखा जाना है। यह मामला कुल 41 एकड़ जमीन का है, जो पुणे के तेजी से विकसित इलाके मुंधवा की है।

सूत्रों का कहना है कि इस रिपोर्ट में सीधे तौर पर ऐसा कोई प्रमाण नहीं है, जिससे यह साबित हो सके कि पार्थ पवार ने लैंड डील में कोई आपराधिक गलती की थी। इसलिए उन्हें क्लीन चिट दी जाती है। हालांकि इस रिपोर्ट में कुछ प्रक्रिया से जुड़ी खामियां पाई गई हैं। इसके लिए दो सरकारी अधिकारियों सूर्यकांत येवाले और रविंद्र तारू के खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश की गई है। येवाले फिलहाल हवेली तहसील के तहसीलदार हैं। इसके अलावा रविंद्र असिस्टेंट रजिस्ट्रार के पद पर तैनात हैं। दोनों ही अधिकारियों को इस लैंड डील पर सवाल उठने के बाद सस्पेंड कर दिया गया था और फिलहाल वे न्यायिक हिरासत में हैं।

रावी नदी पर बांध बनकर तैयार

- अब बूंद-बूंद पानी को तरसेगा पाकिस्तान
- भारत का तगड़ा प्लान

सिंधु जल संधि और बदलती नीति

1960 की सिंधु जल संधि के तहत तीन पूर्वी नदियों- रावी, ब्यास और सतलज पर भारत का पूर्ण अधिकार है। इसके बावजूद, तकनीकी बाधाओं और बांध न होने के कारण रावी का काफी पानी पाकिस्तान जा रहा था। पूर्व सिंचाई मंत्री ताज मोहिद्दीन के अनुसार, यह बांध सिंधु जल संधि के दायरे से बाहर है क्योंकि 1960 की संधि के तहत रावी, सतलुज और ब्यास जैसी 'पूर्वी नदियों' पर भारत का विशेष अधिकार है। हालांकि, अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के प्रति कड़ा रुख अपनाया है। अब भारत पश्चिमी नदियों (सिंधु, झेलम, चिनाब) के पानी के अधिक उपयोग की संभावनाएं भी तलाश रहा है। जम्मू-कश्मीर के विधायक डॉ. रामेश्वर सिंह ने कहा कि एक बार काम पूरा होने के बाद, पानी अब पाकिस्तान नहीं जाएगा, बल्कि हमारे अपने कठुआ क्षेत्र की विशाल भूमि को हरा-भरा करेगा।

नई दिल्ली. भारत और पाकिस्तान के बीच दशकों से बहते पानी की सियासत अब एक बड़े बदलाव की ओर है। पंजाब और जम्मू-कश्मीर की सीमा पर निर्माणाधीन शाहपुर कंडी बांध परियोजना अपने अंतिम चरण में है। इस परियोजना के चालू होने से रावी नदी का वह बचा हुआ पानी, जो अब तक बहकर पाकिस्तान चला जाता था, पूरी तरह रुक जाएगा और इसका इस्तेमाल जम्मू-कश्मीर और पंजाब की सूखी जमीन को सींचने में किया जाएगा। जम्मू-कश्मीर के मंत्री जावेद अहमद राणा ने सोमवार को जानकारी दी कि इस बांध का काम 31 मार्च तक पूरा होने की उम्मीद है। यह परियोजना विशेष रूप से सूखाग्रस्त कठुआ और सांबा जिलों के लिए जीवनरेखा साबित होगी। यह बांध न केवल जल संचयन करेगा, बल्कि क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को भी गति देगा। इस परियोजना से जम्मू-कश्मीर के कठुआ और सांबा जिलों की 32,173 हेक्टेयर से अधिक भूमि और पंजाब की लगभग 5,000 हेक्टेयर भूमि की सिंचाई होगी। केंद्र सरकार ने सिंचाई घटक के लिए 485.38 करोड़ रुपये की सहायता राशि को मंजूरी दी है। बांध के पूरा होने से क्षेत्र में बिजली उत्पादन और कृषि विकास को नई दिशा मिलेगी।

इस्तीफा नामंजूर करना 'बंधुआ मजदूरी' के समान

- आर्टिकल 23 का उल्लंघन: हाईकोर्ट

तिरुवनंतपुरम. केरल हाईकोर्ट ने हाल ही में एक मामले की सुनवाई स्पष्ट किया है कि किसी कर्मचारी द्वारा इस्तीफा देने की स्थिति में कंपनी को उसे स्वीकार करना ही होगा। हाईकोर्ट ने इस दौरान कहा है कि अगर कोई एंप्लॉयर कर्मचारी का इस्तीफा स्वीकार करने से इनकार करता है तो यह 'बंधुआ मजदूरी' के समान माना जाएगा।

बार एंड बेंच की की एक रिपोर्ट के मुताबिक इस मामले में अहम टिप्पणी करते हुए जस्टिस एन नागरेश ने कहा कि जब कोई कर्मचारी सेवा शर्तों के अनुसार इस्तीफा देता है तो नियोक्ता का कर्तव्य है कि वह उसे स्वीकार करे, बशर्ते अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन ना हुआ हो।

अदालत ने साफ किया कि इस्तीफा सिर्फ कुछ खास हालात में ही रोका जा सकता है, जैसे नोटिस पीरियड पूरा ना होना, गुस्से में दिया गया इस्तीफा जिसे वापस लिया जा सकता हो, गंभीर अनुशासनात्मक कार्रवाई लंबित हो या संस्था को बड़ा आर्थिक नुकसान हुआ हो। कोर्ट ने कहा कि मौजूदा मामले में ऐसी कोई स्थिति नहीं थी। कंपनी द्वारा वित्तीय संकट का हवाला देकर कंपनी सेक्रेटरी का इस्तीफा ना मानना कानूनी रूप से सही नहीं है।

नेता बनने के लायक नहीं राहुल गांधी

- नवजोत कौर सिद्धू का हमला; पीएम मोदी की तारीफ

नई दिल्ली. कांग्रेस की निष्कासित नेता और पंजाब सरकार में पूर्व मंत्री नवजोत कौर सिंद्धू ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी नेता बनने के काबिल ही नहीं हैं। कौर ने कहा कि राहुल गांधी अभी ऐसे व्यक्ति नहीं बन पाए हैं जो कि सभी के साथ बराबरी का व्यवहार कर सकें और बातचीत के लिए सभी के लिए दरवाजा खुला रखें। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी परिवार की विचारधारी में ही बंधकर रहे हैं और अपने शुभचिंतकों की बातें भी नहीं सुन पाते हैं।

वहीं नवजोत कौर सिद्धू ने प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि वह बहुत ही आध्यात्मिक व्यक्ति हैं और उनके व्यक्तित्व में इसकी झलक साफ तौर पर नजर आती है। उन्होंने कहा कि अगर से मिलने के लिए 8 महीने का इंतजार करना पड़े तो यह ठीक नहीं है। एक नेता से उम्मीद की जाती है कि वह सबसे मिले और खासकर उन लोगों से जो कि सही सलाह देने की क्षमता रखते हैं।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के पीठ-पीछे क्या हो रहा है, उन्हें कुछ पता ही नहीं हैं। टिकट पहले ही बेच दिए गए। क्या ऐसी स्थिति में वह किसी कुर्सी पर बैठने के योग्य हैं? उन्होंने कहा कि पार्टी बिना सिर पांव के वादे करती है और फिर पूरे नहीं कर पाती है। पार्टी के भीतर भ्रष्टाचार चरम पर है। नवजोत कौर सिद्धू ने कहा कि उन्होंने सब कुछ केवल पंजाब के लिए छोड़ा है। उनसे वादा किया गया था कि उन्हें उपमुख्यमंत्री बनाया जाएगा और सात विभाग दिए जाएंगे. लेकिन कुछ भी नहीं मिला।

कौर ने कहा कि उन्हें स्थानीय निकाय और पर्यटन की जिम्मेदारी दी गई थी और कहा गया था कि मुख्यमंत्री के हिसाब से ही ये विभाग चलेंगे।

राहुल गांधी बातें अच्छी करते हैं....

नवजोत कौर ने कहा, राहुल गांधी बातें अच्छी करते हैं। हमने पंजाब के लिए त्याग किया है। आपके लिए ईमानदार लोगों के लिए समय ही नहीं है। इस तरह से पार्टी को आगे बढ़ाना बेहद मुश्किल है और पंजाब में कांग्रेस का कोई भविष्य नहीं दिखाई पड़ता है। नवजोत कौर ने कहा कि अगर सरकार के भ्रष्टाचार की बात करनी है तो पहले अपनी पार्टी में व्याप्त भ्रष्टाचार को खत्म करना चाहिए।

इमरान खान को जेल में तत्काल इलाज मिले

कपिल, गावस्कर समेत 14 दिग्गजों ने पाकिस्तान सरकार को लिखा खत

जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की हिरासत में खराब होती सेहत और आंखों की रोशनी कमजोर पड़ने की रिपोर्ट के बीच क्रिकेट जगत ने गंभीर चिंता जताई है। महान सुनील गावस्कर, कपिल देव, एलन बॉर्डर, स्टीव वॉ समेत दुनियाभर के 14 पूर्व कप्तानों ने इमरान खान के लिए अपनी आवाज बुलंद की है। इन क्रिकेट दिग्गजों ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को खत लिखकर इमरान खान की जेल में उनके पसंद के डॉक्टरों से तत्का इलाज कराने, परिवार से नियमित मुलाकात और बिना किसी देरी के निष्पक्ष और पारदर्शी कानूनी प्रक्रिया का अधिकार देने की मांग की है।

इमरान खान अपने दौर के महान ऑलराउंडर रहे हैं और उनकी ही कप्तानी में पाकिस्तान ने 1992 में वनडे वर्ल्ड कप जीतने की ऐतिहासिक कामयाबी हासिल की थी।

हमारे सहयोगी हिंदुस्तान टाइम्स डिजिटल ने क्रिकेट की दुनिया के दिग्गजों की पाकिस्तान सरकार को लिखे खत की कॉपी देखी है। खत में पूर्व कप्तानों ने ये भी साफ किया है कि उन्होंने ये अपील खेल भावना और मानवता के नाते किया है। किसी कानूनी कार्यवाही में दखल देने की मंशा नहीं है।

इन 14 हस्तियों के हैं दस्तखत

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को संबोधित खत पर दस्तखत करने वालों में सुनील गावस्कर, कपिल देव, ग्रेग चैपल, बेलिंडा क्लार्क, माइकल अथर्टन, नासिर हुसैन, इयान चैपल, एलन बॉर्डर, माइकल ब्रियर्ली, डेविड गॉवर, किम ह्यूज, क्लाइव लॉयड, स्टीव वॉ और जॉन राइट शामिल हैं।

ब्रह्मपुत्र के नीचे टनल, ऊपर दहाड़ेंगे फाइटर जेट्स

- चीनी सीमा के पास भारत की बढ़ती ताकत

गुवाहाटी. पूर्वोत्तर में चीन और बांग्लादेश जैसे देशों से मिलती चुनौतियों को देखते हुए भारत असम और अरुणाचल सहित नॉर्थ ईस्ट के दूसरे राज्यों में इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। हाल के कुछ महीनों में इस दिशा में अहम प्रगति हुई है। यहां चीन सीमा से सटे राज्यों में बुनियादी ढांचे को तेज गति से मजबूत किया जा रहा है। अंडरवाटर टनल से लेकर हाईवे पर इमर्जेंसी लैंडिंग सुविधा तक कई बड़े प्रोजेक्ट पर काम तेजी से आगे बढ़ रहा है।

बीते शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम के मोरान में भारतीय वायुसेना के हरक्यूलिस सी130जे विमान से हाईवे पर बने इमर्जेंसी रनवे पर उतरकर इसकी शुरुआत की। इस दौरान सुखोई 30 एमकेआई, राफेल और एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर ने फ्लाईपास्ट किया। यह पूर्वोत्तर में इस तरह की पहली हाईवे आधारित इमर्जेंसी लैंडिंग सुविधा है। गुवाहाटी में एक रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि मोरान में हाईवे पर वायुसेना विमान की लैंडिंग असम की बढ़ती ताकत को दिखाती है। उन्होंने कहा कि पहले पूर्वोत्तर टूटी सड़कों के लिए जाना जाता था, आज यहां ऐसे हाईवे बन रहे हैं जहां विमान भी उतर सकते हैं।

देश की पहली अंडरवाटर रोड-सह-रेल टनल

इसके अलावा कैबिनेट कमिटी ऑन इकोनॉमिक अफेयर्स ने गोहपुर एनएच15 से नुमालीगढ़ एनएच715 तक चार लेन एक्सेस कंट्रोल्ड ग्रीनफील्ड सड़क और ब्रह्मपुत्र के नीचे 15.79 किलोमीटर लंबी सड़क-सह-रेल टनल को मंजूरी दी है। इस पर करीब 18,662 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। फिलहाल नुमालीगढ़ से गोहपुर की दूरी करीब 240 किलोमीटर है और कालीभोमोरा पुल से होकर छह घंटे लगते हैं।

यह देश की पहली अंडरवाटर रोड-सह-रेल टनल और दुनिया की दूसरी ऐसी टनल होगी। इससे असम, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों को फायदा होगा। माल की ढुलाई आसान होगी, लॉजिस्टिक लागत घटेगी और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

आम सूचना

मैं श्रीमती संगीता देवी सुदर्शन सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम, 170 चौ.फुट, बैरक नं. 735 के पास, उल्हासनगर- 3. (टैक्स नं. 25बीओ004468900) उक्त प्रॉपर्टी श्री रंजीत रामसूरत यादव के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 2.7.2022 सी.नं. 2029 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती संगीता देवी सुदर्शन

आम सूचना

मैं श्री शिवशंकर रामसूरत यादव सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, 215 चौ.फुट, कमला नेहरू नगर, एमआयडीसी, धोबीघाट, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 04एओ014249000) उक्त प्रॉपर्टी डॉ. सुनीता नानासाहेब उमरेदकर के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 30.1.2026 सी.नं. 220 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री शिवशंकर रामसूरत यादव

आम सूचना

मैं श्री अनंतप्रसाद रामनाथ मिश्रा सभी को सूचित कर रहा हूं कि बैरक नं. 115-बी, रुम नं. 12, उल्हासनगर-1. (टैक्स नं. 05एओ018529700) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती मनोरमा अनंतप्रसाद मिश्रा के नाम पर है उनका निधन 12.5.2025 को हुआ। श्रीमती संगीता वेदप्रकाश पांडे व श्रीमती विनीता प्रदीप सिंग ने रिलीज एग्रीमेंट दि. 16.2.2026 सी.नं. 122/2026 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री अनंतप्रसाद रामनाथ मिश्रा

आम सूचना

मैं श्री अविनंदन स्वपान हजारा सभी को सूचित कर रहा हूं कि शॉप नं. ई-4, 73 चौ.फुट, 2रा माला, दानीधाम शापिंग काम्पलेक्स, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 21बीआय018476000) उक्त प्रॉपर्टी श्री मिरनालकांती निरोद हलदार के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 13.6.2022 सी.नं. 1340 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री अविनंदन स्वपान हजारा

आम सूचना

मैं श्री मोहम्मद सिद्दीक शरीफ सभी को सूचित कर रहा हूं कि 19/1, बैरक नं. 631, रुम नं. 50बी, लॉड कृष्णा अपार्टमेंट के पीछे, खेमानी, उल्हासनगर- 2. (टैक्स नं. 19बीआय02449300) उक्त प्रॉपर्टी श्री धीरज गगनदास चाटवानी के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 28.1.2026 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री मोहम्मद सिद्दीक शरीफ

आम सूचना

मैं श्री राजेश जीतबहादुर सिंघ सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, 240 चौ.फुट, बैरक नं. 969, रुम नं. 10 के पीछे, उल्हासनगर- 3. (टैक्स नं. 34सीओ008324200) उक्त प्रॉपर्टी मिस संगीता खोखन मंडल के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 9.3.2025 सी.नं. 502 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री राजेश जीतबहादुर सिंघ

संक्षेप...

लिफ्ट में फंसा रवि पुजारी

मुंबई. मुंबई सेशंस कोर्ट परिसर में सोमवार दोपहर एक अप्रत्याशित घटना देखने को मिली, जब गैंगस्टर रवि पुजारी पेशी के दौरान अचानक लिफ्ट में फंस गया. घटना करीब दोपहर 1 बजे की है, जब महाराष्ट्र ATS ने 2006–2007 के एक पुराने केस में दर्ज अपराधों के सिलसिले में उसे कस्टडी में लेकर MCOCA कोर्ट में पेश करने की प्रक्रिया शुरू की थी. पुलिस टीम रवि पुजारी को चौथी से पांचवीं मंजिल की ओर ले जा रही थी कि अचानक कोर्ट बिल्डिंग की लिफ्ट ने काम करना बंद कर दिया. लिफ्ट चौथी और पांचवीं मंजिल के बीच झटके के साथ अटक गई. उस समय लिफ्ट के अंदर पुलिस की टीम और रवि पुजारी मौजूद थे. कुछ क्षणों के लिए स्थिति तनावपूर्ण हो गई, लेकिन पुलिस ने तुरंत सतर्कता दिखाते हुए कोर्ट परिसर के लिफ्ट ऑपरेटर को बुलाया.

BJP-शिवसेना में फूट

- शिवसेना महापौर और उपमहापौर पदों के लिए चुनाव लड़ेगी
- महापौर-उपमहापौर चुनाव 20 को

भिवंडी. भिवंडी में किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं मिला है, इसलिए कई लोग सरकार बनाने की कोशिशें कर रहे हैं। शिवसेना पार्टी प्रमुख एकनाथ शिंदे के आदेश पर शिवसेना भिवंडी महानगर पालिका के महापौर और उप महापौर दोनों पदों के लिए चुनाव लड़ रही है। शिवसेना पार्टी के इस फैसले के बारे में BJP को बता दिया गया है। दोनों तरफ से कोशिशें चल रही हैं। हालांकि, कोई आखिरी फैसला नहीं हो सका, इसलिए BJP अपने तरीके से चुनाव लड़ेगी जबकि शिवसेना अपने तरीके से चुनाव लड़ेगी।

शिवसेना के नेता प्रकाश पाटिल ने बताया कि विलास पाटिल को तब गिरफ्तार किया गया था जब वह हमारे साथ थे। उसके बाद भी, पार्टी अपने स्टैंड पर कायम है और उम्मीदवार वही होगा जिसका नाम पार्टी प्रमुख एकनाथ शिंदे घोषित करेंगे.

महापौर पद का नामांकन दर्ज करने वाले उम्मीदवार

1. विलास रघुनाथ पाटिल	(1-D)
2. मयूरेश विलास पाटिल	(1-के)
3. चौधरी बलराम मधुकर	(13-डी)
4. म्हात्रे सुचिता रूपेश	13-बी
5. मोमिन तारिक अब्दुल बारी	9-ए
6. नारायण रतन चौधरी	23-के
7. नारायण रतन चौधरी	23-के
8. पाटिल स्नेहा मेहुल	16-के
9. जावेद गुलाम मोहम्मद दलवी	6-डी
10. प्रतिभा विलास पाटिल	1-बी

उप महापौर पद के उम्मीदवार

1. नाइक अस्मिता प्रभुदास	13-ए
2. मोमिन तारिक अब्दुल बारी	9-ए
3. नकते सुहास जलिंदर	18-डी
4. जावेद गुलाम मोहम्मद दलवी	6-डी
5. जावेद गुलाम मोहम्मद दलवी	6-डी
6. शेख अरीब मोहम्मद याकूब	8-डी
7. मयूरेश विलास पाटिल	1-C

कॉन्ट्रैक्ट वर्कर और वारिस के अधिकार के मुद्दे सुलझाए जाएंगे

ठाणे. आयुक्त सौरभ राव ने विधायक संजय केलकर से कहा कि वे ठाणे मनपा में कॉन्ट्रैक्ट वर्कर की सुविधाओं और मिनिमम वेज के साथ-साथ पेंडिंग विरासत के अधिकार के मामलों को प्रायोरिटी पर सुलझाएंगे। इस मौके पर आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को ठाणे में कलर म्यूज़ियम प्रोजेक्ट को प्रमोट करने के निर्देश दिए।

विधायक संजय केलकर ने आज आयुक्त सौरभ राव से मुलाकात की और कई मुद्दों पर चर्चा की। इस मौके पर उपमहापौर कृष्णा पाटिल, ग्रुप लीडर मुकेश मोकाशी,नगरसेवक सुनेश जोशी, सीताराम राणे, विकास पाटिल के साथ-साथ अतिरिक्त आयुक्त प्रशांत रोडे, सभी डिपार्टमेंट के उपायुक्त मौजूद थे।इस मौके पर विधायक संजय केलकर ने कॉन्ट्रैक्ट वर्कर की समस्याओं और पेंडिंग विरासत के अधिकार के मामलों पर चर्चा की।मनपा में कॉन्ट्रैक्ट वर्कर की संख्या ज़्यादा है और कॉन्ट्रैक्टर वर्कर का शोषण कर रहे हैं। केलकर ने कहा कि वर्कर को मिनिमम वेज भी नहीं दिया जा रहा है, जिससे उन्हें कई तरह की सर्विस और सुविधाओं से वंचित रखा जा रहा है। उन्होंने आयुक्त से मांग की कि कॉन्ट्रैक्टर मज़दूरों को नियम के हिसाब से सुविधाएं दें और कम से कम मज़दूरी दें, नहीं तो उन्हें ब्लैकलिस्ट किया जाए। मिस्टर केलकर ने अलग-अलग नगर पालिकाओं के सर्टिफिकेट दिए कि विरासत के अधिकार के पेंडिंग मामलों की संख्या ज़्यादा है और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर सुलझाया जाना चाहिए। इस पर आयुक्त सौरभ राव ने साफ़ किया कि कॉन्ट्रैक्ट मज़दूरों के मुद्दे के साथ-साथ विरासत के अधिकार के मामलों को प्राथमिकता के आधार पर सुलझाया जाएगा।वह पिछले एक साल से कलर म्यूज़ियम पर ज़ोर दे रहे हैं और ठाणे में एक वर्ल्ड-क्लास कलर म्यूज़ियम बनाया जा सकता है। केलकर के इस प्रोजेक्ट में तेज़ी लाने की मांग करने के बाद आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

स्वास्थ्य सेवा के लिए आशा वर्कर्स का योगदान बहुत कीमती

- मेयर शर्मिला पिंपलोलकर का प्रतिपादन

ठाणे. मेयर शर्मिला पिंपलोलकर ने कहा कि सालों से ज़मीनी स्तर पर लोगों और मरीज़ों को सेवाएं दे रही आशा वर्कर्स स्वास्थ्य विभाग की रीढ़ हैं, उनका योगदान बहुत कीमती है। आज ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के हेल्थ डिपार्टमेंट की तरफ से एक खास सम्मान दिया गया। संदिग्ध टीबी मरीज़ों को रजिस्टर करने का टारगेट पूरा करते हुए उम्मीद से बढ़कर काम करने वाली 20 आशा वर्कर्स को मेयर शर्मिला पिंपोलकर और डिप्टी मेयर कृष्णा पाटिल ने सम्मानित किया।मनपा के स्वर्गीय नरेंद्र बल्लाल हॉल में हुए प्रोग्राम में अतिरिक्त आयुक्त (2) प्रशांत रोडे,मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रसाद पाटिल, छत्रपति शिवाजी महाराज हॉस्पिटल की डीन डॉ. स्वप्नाली कदम और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मौजूद थे।घर-घर जाकर लोगों से बातचीत करके,स्वास्थ्य चेकअप को बढ़ावा देकर और बीमारियों के बारे में जागरूकता पैदा करके, आशा वर्कर स्वास्थ्य सिस्टम का एक मज़बूत पिलर बन रही हैं। उन्होंने संदिग्ध टी.बी. मरीज़ों को ढूंढने और रजिस्टर करने की बहुत ज़िम्मेदार भूमिका को अच्छे से निभाया है। मेयर शर्मिला पिंपलोलकर ने बताया कि कई आशा वर्करों ने तय टारगेट से ज़्यादा मरीज़ों को रजिस्टर करके अपनी लगन साबित की है। डिप्टी मेयर कृष्णा पाटिल ने भी आशा वर्करों के काम की तारीफ़ की और कहा कि ठाणे मनपा उनके साथ है।अपने शुरुआती भाषण में मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रसाद पाटिल ने आशा वर्करों के काम की तारीफ़ की। आशा ने संदिग्ध टी.बी. मरीज़ों के रजिस्ट्रेशन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने एक हज़ार से ज़्यादा संदिग्ध मरीज़ों को रजिस्टर किया, जबकि उन्होंने 10 दिनों में 150 लोगों को रजिस्टर करने का टारगेट रखा था, इसीलिए उन्हें सम्मानित किया गया।

महानगर गैस की तरफ़ से 1.25 करोड़ का फ़ंड

महानगर गैस लिमिटेड ने ठाणे मनपा के स्वास्थ्य विभाग के लिए 1.25 करोड़ का फ़ंड दिया है। इस फंड से छत्रपति शिवाजी महाराज हॉस्पिटल, कलवा में दो एडवांस सोनोग्राफी मशीनें और एक 2D इको मशीन दी गई है।इस स्टेट-ऑफ-द-आर्ट इक्विपमेंट का उद्घाटन मेयर शर्मिला पिंपलोलकर ने किया।यह मशीनें रेडियोलॉजी डिपार्टमेंट को मजबूत करने के लिए अहम होंगी और खासकर आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद मरीजों के लिए बहुत फायदेमंद होंगी। लोकल लेवल पर लेटेस्ट टेस्ट उपलब्ध होने से मरीजों का समय और खर्च दोनों बचेगा।

श्री गुरु तेग बहादुर साहिबजी 350वां शहीदी समागम

- भाषण और गीत गाने के ज़रिए बताई गई श्री गुरु तेग बहादुर साहिब की ज़िंदगी की कहानी

ठाणे. "हिंद दी चादर" श्री गुरु तेग बहादुर साहिबजी 350वां शहीदी समागम 28 फरवरी और 1 मार्च को खारघर में होगा। इस प्रोग्राम के बैकग्राउंड में, ठाणे शहर के अलग-अलग स्कूलों में पब्लिक अवेयरनेस एक्टिविटीज़ चल रही हैं।स्टूडेंट्स में गुरु तेग बहादुर साहिब के त्याग, बलिदान और धर्म की रक्षा के काम के बारे में अवेयरनेस लाने के मकसद से, गाने और भक्ति गीत गाने के कॉम्पिटिशन जोश के साथ ऑर्गनाइज़ किए गए। इस एक्टिविटी में बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया।

गुरु के वीरता, बलिदान और मानवता के संदेश पर आधारित भक्ति गीत प्रस्तुत करके छात्रों ने दर्शकों का दिल जीत लिया। छात्रों ने प्रतियोगिता में सहजता से भाग लिया। इसके अलावा ठाणे मनपा स्कूल नंबर 62 कासरवडवली में बड़े उत्साह के साथ एक गायन प्रतियोगिता और भक्ति गीत गायन प्रतियोगिता आयोजित की गई। शिक्षकों ने छात्रों को गुरु तेग बहादुर साहिब के जीवन और कार्यों के बारे में बताया। उन्हें उनकी शहादत के पीछे के इतिहास, धार्मिक स्वतंत्रता के लिए दिए गए बलिदान और उन्हें "हिंद-दी-चादर" की उपाधि कैसे मिली, इसके बारे में बताया गया।मुंब्रा के एंजेल्स पैराडाइज़ इंग्लिश हाई स्कूल में भी एक विशेष गीत गायन कार्यक्रम आयोजित किया गया। छात्रों ने देशभक्ति और भक्ति गीतों के माध्यम से गुरु के कार्यों का प्रचार और प्रसार किया। कार्यक्रम के दौरान, स्कूल के प्रिंसिपल ने छात्रों से उनके जीवन से प्रेरणा लेने और समाज में सद्भाव, साहस और धार्मिक सहिष्णुता पैदा करने की अपील की।

महापौर ने की सभागृह के तैयारियों की समीक्षा

ठाणे. ठाणे महानगरपालिका की आम सभा 20 फरवरी, 2026 को आहुत की गई है. जिसको लेकर महापौर शर्मिला रोहित पिंपलोलकर ने मंगलवार को सभागृह का जायजा लिया एवं तैयारियों का समीक्षा किया.

इस अवसर पर मनपा सचिव मनीष जोशी, उप नगर अभियंता सुधीर गायकवाड़ व कार्यकारी अभियंता महेश बोराडे मौजूद थे.

महापौर पिंपलोलकर ने सभागृह में बैठने की व्यवस्था, साउंड सिस्टम, साफ़-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था और दूसरी बेसिक सुविधाओं का निरीक्षण किया. ठाणे महानगरपालिका में सभी पार्टियों के 131 नगरसेवक चुने गए हैं, इसके अलावा 10 स्वीकृत सदस्य सभागृह में आएंगे. इस सिलसिले में महापौर ने कुल सदस्यों की संख्या को ध्यान में रखते हुए सभागृह में बैठने की व्यवस्था की समीक्षा की.

वाहन किराये पर देने के नाम पर 2.44 करोड़ की ठगी

- 32 चार पहिया वाहन जब्त

ठाणे. वागले इस्टेट पुलिस ने वाहनों को मासिक किराये पर लगवाने का लालच देकर करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले आरोपी को अपराध शाखा, वागले यूनिट क्रमांक 5 ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से लगभग 2,44,15,000 कीमत के 32 विभिन्न चारपहिया वाहन नवी मुंबई, जालना, आलेफाटा, लोणावला, पुना, छत्रपति संभाजीनगर, पनवेल, कल्याण और परभणी से जब्त किए हैं। जब्त वाहनों की संख्या बढ़ने की संभावना भी जताई जा रही है।

इस संबंध में वागले इस्टेट पुलिस स्टेशन में अपराध 40/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) और 316(2) के अंतर्गत 5 फरवरी 2026 को मामला दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता की पांच चारपहिया गाड़ियां आरोपी संदीप रघु शेट्टी (38), निवासी उलवे, नवी मुंबई ने अधिक मासिक किराया देने का लालच देकर अपने कब्जे में ली थीं। आरोपी ने न तो कोई किराया दिया और न ही वाहन वापस किए, बल्कि उन्हें अन्य लोगों के पास गिरवी रखकर शिकायतकर्ता के साथ धोखाधड़ी की। वारदात के बाद आरोपी अपनी पहचान छिपाकर रह रहा था।

जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी के मोबाइल नंबर का तकनीकी विश्लेषण किया तथा गुप्त सूचना के आधार पर 6 फरवरी 2026 को उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपी ने इसी तरह कई लोगों को अधिक किराया देने का झांसा देकर उनकी गाड़ियां अपने कब्जे में लेकर अन्य व्यक्तियों के पास गिरवी रखी थीं।इस मामले की आगे की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक शरद युवराज पाटील कर रहे हैं।यह कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) डॉ. पंजाबराव उगले, पुलिस उपआयुक्त (अपराध) अमरसिंह जाधव व सहायक पुलिस आयुक्त (अपराध) शेखर बागड़े के मार्गदर्शन में अपराध शाखा, वागले यूनिट 5 के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सलील भोसले के नेतृत्व में टीम द्वारा की गई।

तुर्भे और कोपरखैरने में मनपा की कार्रवाई

नवी मुंबई. तुर्भे और कोपरखैरने विभाग में किए गए अवैध निर्माणों पर नवी मुंबई मनपा के अवैध निर्माण निरोधक विभाग द्वारा हथौड़ा चलाया गया. यह कार्रवाई नवी मुंबई मनपा आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे के निर्देश पर अतिरिक्त आयुक्त डॉ. राहुल गेठे और उपायुक्त डॉ. कैलाश गायकवाड़ के मार्गदर्शन में की गई. इस कार्रवाई के तहत तुर्भे विभाग के सेक्टर-19 सी में अवैध निर्माणों पर कार्रवाई की गई. इसी तरह कोपरखैरणे विभाग में सुभद्राबाई भगवान आव्हाड शैतान सिंह चौहान, मनोहर कंवर, प्रकाश कृष्ण गुप्ता और विकास कृष्ण गुप्ता द्वारा किए गए अवैध निर्माण को तोड़ा गया. इस कार्रवाई के समय नवी मुंबई मनपा से संलग्न पुलिस की टीम और सुरक्षा गार्ड तैनात किए गए थे.

सड़क दुर्घटना में दो चचेरे भाइयों की मौत

ठाणे. दिवा में रहने वाले दो चचेरे भाइयों की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई. उनकी मोटरसाइकल भिवंडी के वेहलेगांव रोड पर गलत तरीके से खड़े डंपर से टकरा गई. दुर्घटना के बाद डंपर चालक फरार हो गया. नारपोली पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया, रात करीब 11:30 बजे, जब वे अपनी मोटरसाइकिल से दिवा की ओर वापस जा रहे थे, तो वे सड़क पर गलत दिशा में लापरवाही से खड़े एक डंपर से टकरा गए.

आम सूचना

इस आम सूचना द्वारा मैं श्रीमती रेनू कुमारी भूषण शर्मा सभी को सूचित कर रही हूं कि श्री भूषण प्रभु शर्मा का देहांत 20 जनवरी 2026 को हो गया है. उनके नाम पर मारुति अर्टिगा (टी परमिट) नं. एमएच 05 इवी 2187 है जिसे अब मेरे नाम पर परिवर्तन करने के लिए कल्याण आर.टी.ओ. कार्यालय में आवेदन दे दिया है. उपरोक्त गाड़ी पर किसी को किसी भी प्रकार की आपत्ति हो जैसे विक्री व्यवहार, खरीदी व्यवहार, गिरवी, दान बक्षीस, वारण, लीज तथा अन्य कोई लेन देन हो तो इस आम सूचना के प्रकाशित होने के 7 दिन के भीतर अपनी आपत्ती आर.टी.ओ. कार्यालय, कल्याण में दर्ज कराएं। अन्यथा मारुति अर्टिगा (टी परमिट) नं. एमएच 05 इवी 2187 मेरे श्रीमती रेनू कुमारी भूषण शर्मा के नाम पंजीकरण कर दिया जाएगा.

सही/-
श्रीमती रेनू कुमारी भूषण शर्मा
फ्लैट नं. 401, ए-विंग, जानकी अपार्टमेंट, उल्हासनगर-4

आम सूचना

इस आम सूचना द्वारा मैं श्रीमती रेनू कुमारी भूषण शर्मा सभी को सूचित कर रही हूं कि श्री भूषण प्रभु शर्मा का देहांत 20 जनवरी 2026 को हो गया है. उनके नाम पर होंडा एक्टिवा नं. एमएच 05 सीएन 2106 है जिसे अब मेरे नाम पर परिवर्तन करने के लिए कल्याण आर.टी.ओ. कार्यालय में आवेदन दे दिया है. उपरोक्त गाड़ी पर किसी को किसी भी प्रकार की आपत्ति हो जैसे विक्री व्यवहार, खरीदी व्यवहार, गिरवी, दान बक्षीस, वारण, लीज तथा अन्य कोई लेन देन हो तो इस आम सूचना के प्रकाशित होने के 7 दिन के भीतर अपनी आपत्ती आर.टी.ओ. कार्यालय, कल्याण में दर्ज कराएं। अन्यथा होंडा एक्टिवा नं. एमएच 05 सीएन 2106 मेरे श्रीमती रेनू कुमारी भूषण शर्मा के नाम पंजीकरण कर दिया जाएगा.

सही/-
श्रीमती रेनू कुमारी भूषण शर्मा
फ्लैट नं. 401, ए-विंग, जानकी अपार्टमेंट, उल्हासनगर-4

आम सूचना

इस आम सूचना द्वारा मैं श्रीमती रेनू कुमारी भूषण शर्मा सभी को सूचित कर रही हूं कि श्री भूषण प्रभु शर्मा का देहांत 20 जनवरी 2026 को हो गया है. उनके नाम पर मारुति डिजायर नं. एमएच 04 एचवाय 8894 है जिसे अब मेरे नाम पर परिवर्तन करने के लिए कल्याण आर.टी.ओ. कार्यालय में आवेदन दे दिया है. उपरोक्त गाड़ी पर किसी को किसी भी प्रकार की आपत्ति हो जैसे विक्री व्यवहार, खरीदी व्यवहार, गिरवी, दान बक्षीस, वारण, लीज तथा अन्य कोई लेन देन हो तो इस आम सूचना के प्रकाशित होने के 7 दिन के भीतर अपनी आपत्ती आर.टी.ओ. कार्यालय, कल्याण में दर्ज कराएं। अन्यथा मारुति डिजायर नं. एमएच 04 एचवाय 8894 मेरे श्रीमती रेनू कुमारी भूषण शर्मा के नाम पंजीकरण कर दिया जाएगा.

सही/-
श्रीमती रेनू कुमारी भूषण शर्मा
फ्लैट नं. 401, ए-विंग, जानकी अपार्टमेंट, उल्हासनगर-4

अमीषा के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी

- चेक बाउंस मामला
- एक्ट्रेस बोलीं- मामला पहले ही सुलझ चुका है
- कानूनी कार्रवाई करूंगी

चेक बाउंस मामले में राजपाल यादव के बाद अब एक्ट्रेस अमीषा पटेल की मुश्किलें भी बढ़ती नजर आ रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2017 के एक इवेंट विवाद से जुड़े मामले में मुरादाबाद की अदालत ने उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया है। हालांकि, इन खबरों पर अब एक्ट्रेस ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।

इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए अमीषा पटेल ने अपने इंस्टाग्राम पर एक नोट शेयर किया। उन्होंने लिखा, मीडिया में मुरादाबाद में पवन वर्मा द्वारा की गई कुछ कार्यवाही को लेकर खबरें चल रही हैं। मैं सभी को बताना चाहती हूं कि यह बहुत पुराना मामला है, जिसमें पवन वर्मा ने सालों पहले समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए थे और पूरी सहमति राशि प्राप्त कर ली थी।

उन्होंने आगे कहा, इसके बावजूद उन्होंने झूठे आरोप लगाकर फिर से मामला शुरू कर दिया है। मेरे वकील उनके खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज करेंगे ताकि सच्चाई सामने आ सके। मैं इन बातों पर ध्यान देने के बजाय अपने काम पर फोकस करना चाहती हूं और ऐसे लोगों को नजरअंदाज करूंगी जो झूठ बोलकर पब्लिसिटी पाने की कोशिश करते हैं।

जानिए मामला क्या है?

फ्री प्रेस जर्नल के मुताबिक, अमीषा पटेल के खिलाफ यह शिकायत मुरादाबाद के इवेंट आयोजक पवन वर्मा ने कराई है। उनका कहना है कि 16 नवंबर 2017 को मुरादाबाद में एक शादी में परफॉर्म करने के लिए अमीषा को बुलाया गया था। इसके लिए 14.50 लाख एडवांस दिए गए थे और होटल में ठहरने की व्यवस्था भी की गई थी। लेकिन वह कार्यक्रम में नहीं पहुंचीं।

हत्या के दोषी को आजीवन कारावास की सजा

ठाणे. ठाणे की अदालत ने पांच साल पहले मुंब्रा में हुए विवाद के बाद हत्या के मामले में 29 वर्षीय व्यक्ति को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है, जबकि सबूतों के अभाव में सह आरोपी को बरी कर दिया है. प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एस बी अग्रवाल ने अपने फैसले में कहा कि इस कृत्य की गंभीरता और इस्तेमाल किए गए हथियार की बरामदगी से अंकेश राजेंद्र गुप्ता की संलिप्तता के बारे में कोई संदेह नहीं रह जाता. पुलिस ने छह अगस्त, 2021 को मुंब्रा इलाके में विवाद के बाद समीर शशिकांत पथारे की चाकू मारकर हत्या करने के आरोप में गुप्ता और प्रशांत प्रदीप गुजर (29) के खिलाफ मामला दर्ज किया था. दोनों पर भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या), 506 (आपराधिक धमकी) और 34 (सामान्य इरादा) के तहत आरोप लगाए गए थे.

केडीएमसी को मिला 1.50 करोड़ का पुरस्कार

कल्याण. पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने पर केडीएमसी को बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। महाराष्ट्र शासन के पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा आयोजित माझी वसुंधरा अभियान 5.0 के तहत वर्ष 2024-25 में केडीएमसी को 'अमृत गट' में 1 करोड़ 50 लाख रुपये का पुरस्कार घोषित किया गया है। यह अभियान पृथ्वी, वायु, जल, अग्नि और आकाश जैसे पंचतत्वों पर आधारित है और राज्य की सभी स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं में पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चलाया जाता है। वर्ष 2024-25 में राज्य की 422 नगर निकायों और 27,895 ग्राम पंचायतों सहित कुल 28,317 स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं ने इस अभियान में भाग लिया था। अभियान के तहत किए गए कार्यों का मूल्यांकन दो चरणों में किया गया—डेस्कटॉप मूल्यांकन और फील्ड निरीक्षण।

आम सूचना

मैं श्रीमती सीमा रमेशलाल नागराणी सभी को सूचित कर रही हूं कि ट्रायंगुलर शॉप नं. 163 (पोर्शन), 120 चौ.फुट, न्यू नं. 237(पार्ट), चरणदास चौक, उल्हासनगर-1. (टैक्स नं. 15एआय015726500) उक्त प्रॉपर्टी श्री सुनील रमेशलाल नागराणी और अन्य दो जनों के नाम पर है। उन्होंने रिलीज एग्रीमेंट दि. 5.2.2026 सी.नं. 360 मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती सीमा रमेशलाल नागराणी

आम सूचना

मैं श्रीमती मनीषा हरीलाल यादव सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम, बैरक नं. 109 के पास, पाईप लाईन, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 06एओ014566500) उक्त प्रॉपर्टी श्री राकेश अमरनाथ पाठक के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 16.2.2026 सी.नं. 106/2026 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती मनीषा हरीलाल यादव

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099